सोमवार
20 जुलाई -2026
वर्ष 10, अंक 316
पेज 8, मूल्य 2 रुपए
रांची

रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक
अलग पहचान
सत्य की उड़ान

पेज-8

संक्षिप्त समाचार

राममंदिर चढ़ावा चोरी पर राहुल ने मोदी को लिखी चिट्ठी

- कहा-आपकी चुप्पी स्वीकार नहीं ट्रस्ट के खाते सार्वजनिक हों

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम मोदी को चिट्ठी लिखी है। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट के वित्तीय मामलों की स्वतंत्र जांच कराई जाए। खातों

को सार्वजनिक किया जाए, ताकि हर भक्त जान सके कि चढ़ावे का इस्तेमाल कहां और कैसे हुआ। जांच में जो भी जिम्मेदार पाए जाएं, उनकी जवाबदेही तय हो। शनिवार को लिखी चिट्ठी रविवार को सामने आई। उन्होंने पीएम मोदी से कहा-आपने संसद में ट्रस्ट के गठन की घोषणा की थी, लेकिन इसके सदस्यों की नियुक्ति पूरी तरह से सरकार ने की।

पीवी सिंधु जापान ओपन जीतने वाली पहली भारतीय बनीं

- 2 साल बाद कोई टाइटल जीता यामागुची को 21-17, 21-17 से हराया

टोक्यो (एजेंसी)। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने जापान ओपन सुपर-750 बैडमिंटन टूर्नामेंट जीत लिया है। वे यह टूर्नामेंट जीतने वाली पहली भारतीय बनी हैं। 31 साल की सिंधु ने रविवार को खेले गए फाइनल

मुकाबले में जापान की अकाने यामागुची को 21-17, 21-17 से हराया। यह मैच 50 मिनट तक चला। सिंधु 4 साल बाद यामागुची को किसी फुल मैच में हरा सकी हैं। उन्हें पिछली जीत थाईलैंड ओपन में 2022 में मिली थी। पिछले साल मलेशिया ओपन में यामागुची रिटायर हर्ट हो गई थीं। सिंधु ने 2 साल बाद कोई खिताब जीता है। उन्होंने 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल जीता था। वे 2022 में सिंगापुर ओपन सुपर 500 में चैंपियन बनी थीं। यह सिंधु के करियर का पहला सुपर-750 खिताब है।

मुंबई में राज ठाकरे के घर में घुसा बंदरों का झुंड

- भगाने के लिए पुलिस और फायर ब्रिगेड को बुलाना पड़ा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे के मुंबई स्थित आवास पर रविवार को बंदरों का एक झुंड घर के परिसर में घुस आया। अचानक बंदरों के घुस जाने से अफरातफरी का माहौल बन गया। घर के अंदर बंदरों को देख परिवार और स्टाफ के लोग घबरा गए। इसके बाद तुरंत पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी गई। पुलिस ने मामले को गंभीरता से

लेते हुए फायर ब्रिगेड कंट्रोल रूम से संपर्क किया और वन्यजीवों को सुरक्षित तरीके से बाहर निकालने के लिए सहायता मांगी। मौके पर पहुंची टीम ने बंदरों को बिना किसी नुकसान के घर से बाहर निकालने की कोशिश शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि बंदरों का झुंड घर के अलग-अलग हिस्सों में घूमता रहा जिससे कुछ समय के लिए वहां अफरातफरी का माहौल बन गया। हालांकि, इस घटना में किसी व्यक्ति के घायल होने या किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं है। फिलहाल राज ठाकरे के घर पर बंदरों को सुरक्षित रूप से बाहर निकालने का अभियान जारी है। मुंबई जैसे महानगर में रिहायशी इलाकों में बंदरों के घुसने की घटनाएं कम ही देखने को मिलती हैं।

30 साल बाद घर लौटेगा पर्वतारोही जवान का शव

लेह (एजेंसी)। माउंट एवरेस्ट की बर्फीली चोटियों पर 26,247 फीट ऊंचे 'डेथ जोन' में पिछले 30 सालों से एक पर्वतारोही का शरीर बर्फ में जमा है। पैरों में हरे जूते होने के कारण दुनिया उसे 'ग्रीन बूट्स' के नाम से जानती रही। सालों तक इसे आईटीबीपी के हेड कांस्टेबल शेवांग पाल्जोर का शव माना गया, लेकिन हाल में हुए डीएनए टेस्ट से पुष्टि हुई कि यह लांस नायक दोरजे मोरुप का पार्थिव शरीर है। अब 30 साल इंतजार के बाद इस साल अक्टूबर तक लद्दाख में दोरजे के परिवार को उनका शव सौंपा जाएगा। दोरजे मोरुप, शेवांग पाल्जोर और सूबेदार शेवांग समनला 1996 में तिब्बत के उत्तरी मार्ग से एवरेस्ट फतह करने निकली पहली भारतीय तीन सदस्यीय टीम का हिस्सा थे। 10 मई 1996 को शिखर के पास तीनों भीषण बर्फीले तूफान में फंस गए थे। यह अभियान बाद में 1996 माउंट एवरेस्ट डिजास्टर के नाम से जाना गया, जिसमें उस सीजन में 12 पर्वतारोहियों की मौत हुई थी।

माउंट एवरेस्ट पर तूफान में फंसे थे लद्दाख के दोरजे

26 हजार फीट ऊपर गुफा में शरीर, डीएनए से पुष्टि

75 वर्षीय पत्नी बोलीं-उन्हें देखकर ही आखिरी सांस लूंगी

दोरजे के घर उनकी पत्नी कोनचोक यांगस्किट से बात हुई। 75 वर्षीय कोनचोक अब सुन नहीं सकतीं। वह पति की पेंशन पर गुजर–बसर करती हैं। जब से बेटे फुंतसोग दोरजे ने पिता का शव लाने वाले मिशन की सूचना दी, तब से वह रो रही हैं। उन्होंने बेटे को कागज पर लिखकर दिया है कि उनकी आखिरी इच्छा एक बार पति को देखने की है। उन्होंने लिखा, उन्हें देखकर ही आखिरी सांस लूंगी। दोरजे के बेटे फुंतसोग भारतीय सेना में हैं।

एवरेस्ट चढ़ने वालों के लिए लैंडमार्कबन गया था ग्रीन बूट्स

1996 में ब्रिटिश पर्वतारोही और फिल्ममेकर मैट डिकिन्सन ने पहली बार बर्फ में फंसे दोरजे मोरुप के शव का वीडियो रिकॉर्ड किया था। बाद में यह फुटेज समिट फीवर डॉक्यूमेंट्री में भी दिखाई गई। पैरों में पहने हरे रंग के जूतों के कारण इस शव को ग्रीन बूट्स नाम दिया गया।। यह शव एवरेस्ट के उत्तरी मार्ग पर एक छोटी गुफा में पड़ा था जो ग्रीन बूट्स गुफा नाम से मशहूर हुआ। शिखर पर जाने वाले लगभग सभी पर्वतारोही इसी रास्ते से होकर गुजरते थे। उनके लिए यह रास्ते की पहचान (लैंडमार्क) बन गया था। दोरजे का शव जिस जगह है, वह 8 हजार मीटर (करीब 26,247 फीट) से ऊपर का डेथ जोन है। यहां समुद्र तल की तुलना में सिर्फ करीब 33 फीसदी ऑक्सीजन होती है। इतनी ऊंचाई पर शरीर तेजी से जवाब देने लगता है। कोशिकाएं मरने लगती हैं। यहां हेलीकॉप्टर भी नहीं पहुंच सकते। इसलिए यहां से शव वापस लाना दुनिया के सबसे मुश्किल अभियानों में गिना जाता है। यही वजह है कि एवरेस्ट पर मारे गए 340 से ज्यादा पर्वतारोहियों में से अधिकांश के शव आज भी वहीं पड़े हैं।

तलाक-तलाक तलाक बोलने से नहीं होगा तलाक

- लिव-इन रिलेशन के लिए एमपी में अब रजिस्ट्रेशन हुआ अनिवार्य
- एमपी कैबिनेट में बड़ा फैसला, यूसीसी बिल को मिली मंजूरी

भोपाल (एजेंसी)। जगदीशपुर में आयोजित मोहन कैबिनेट की मीटिंग में कई ऐतिहासिक और अहम फैसले हुए हैं। कैबिनेट ने यूसीसी बिल को मंजूरी दे दी है। मानसून सत्र में इसे विधानसभा में पेश किया जाएगा। सीएम मोहन यादव ने बिल को मंजूरी देने के बाद इसकी महत्वपूर्ण बातों पर चर्चा की है। उन्होंने कहा है कि किसी भी धर्म और समुदाय के लोगों के लिए मध्य प्रदेश में सिर्फ एक ही शादी की इजाजत है।

मतदाता जल्द से जल्द अपने भरे हुए फॉर्म बीएलओ को उपलब्ध करा दें जिससे एएसडीडीएफ सूची एवं डिजिटाइजेशन का कार्य ससमय पूरा हो सके

22 जुलाई को प्रत्येक मतदान केंद्रों पर बीएलओ एवं बीएलए-2 कि तीसरी बैठक एवं चुनाव पाठशाल का आयोजन

बीएलओ द्वारा राज्य में 97.77% मतदाताओं तक घर-घर जाकर इन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध करा दिया गया है

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

राँची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा है कि मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण एक सहभागी प्रक्रिया है इसमें प्रत्येक स्टेकहोल्डर के सहयोग की अपेक्षा है। उन्होंने कहा कि राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के क्रम में मतदाताओं, बीएलए 2, बीएलओ, निर्वाचन से जुड़े हर स्तर पदाधिकारियों द्वारा आपसी सहभागिता से तीव्र गति से कार्य की जा रही है। उन्हों बताया कि वर्तमान में इन्यूमरेशन फेज का कार्य किया जा रहा है जिसके अंतर्गत वर्तमान मतदाता सूची के प्रत्येक मतदाताओं तक इन्यूमरेशन फॉर्म भेजने एवं उनके भरे हुए एवं हस्ताक्षर किए हुए इन्यूमरेशन फॉर्म को संग्रहित कर डिजिटलाइज करने का कार्य किया जा रहा है।पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा है कि मतदाता सूची में एएसडीडीएफ सूची के अंतिम प्रकाशन हेतु सभी मतदान केंद्रों पर 22 जुलाई को बीएलओ एवं बीएलए-2 कि बैठक एवं चुनाव पाठशाल का आयोजन किया जा रहा है। वैसे मतदाता जो अपना फॉर्म भरकर एवं हस्ताक्षर कर अपने बीएलओ को जमा करेंगें केवल उनका ही नाम 5 अगस्त को प्रकाशित होने वाले मतदाता सूचि के ड्राफ्ट पब्लिकेशन में शामिल होगा।पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा कि इन्यूमरेशन फॉर्म के डिजिटाइजेशन की प्रक्रिया को समय पर संपन्न करने के लिए विभाग द्वारा व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। रविवार तक विशेष कैंप एवं बीएलओ द्वारा 65.64% कुल 1,73,70,620 मतदाताओं के इन्यूमरेशन फॉर्म के डिजिटाइजेशन का कार्य संपन्न कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि मतदाताओं द्वारा भरे हुए इन्यूमरेशन फॉर्म को वापस जमा होते ही उसे डिजिटाइज करने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने मतदाताओं से आग्रह किया कि जल्द से जल्द अपने इन्यूमरेशन फॉर्म भरकर जमा कर दें जिससे उसे समय रहते डिजिटाइजेशन किया जा सके। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि अभी भी शहरी मतदाताओं के द्वारा इन्यूमरेशन फॉर्म भरकर जमा करने की गति धीमी है। इसे गति देने एवं अधिक से अधिक बच्चे हुए मतदाताओं को सहायता पहुंचाने के उद्देश्य से शहरी क्षेत्रों में मतदाताओं की सहूलियत और शत्-प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 20 जुलाई 2026 को राज्य के सभी शहरी मतदान केंद्रों पर विशेष कैंप का आयोजन किया जा रहा है। इस कैंप के माध्यम से शहरी मतदाता आसानी से अपने इन्यूमरेशन फॉर्म जमा कर सकते हैं एवं बचे हुए मतदाता जिन्हें किसी कारण से अभी भी इन्यूमरेशन फॉर्म प्राप्त नहीं हुए है वे इसे विशेष कैम में जाकर प्राप्त कर सकते हैं।पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा कि वर्तमान में बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर 97.81% कुल 2,58,82,942 मतदाताओं तक बीएलओ द्वारा इन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध करा दिए गए है। बचे हुए मतदाता अपने बीएलओ से अवश्य संपर्क कर अपना इन्यूमरेशन फॉर्म भरकर जमा करें।

रियाद में SIR जागरूकता संगोष्ठी: इन्तेखाब आलम ने प्रवासी भारतीयों से मतदाता सूची में नाम सुनिश्चित करने की अपील

दैनिक अलग पहचान, अन्नपूर्णा गुप्ता, मुख्य संपादक, नई दिल्ली/

बिहार कम्युनिटी सर्विस, रियाद द्वारा आयोजित स्छ्रक्र जागरूकता संगोष्ठी में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य एवं सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया के एडवोकेट इन्तेखाब आलम ने मुख्य वक्ता के रूप में प्रवासी भारतीयों को संबोधित किया। कार्यक्रम में रियाद तथा आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में बिहार के प्रवासी भाई-बहनों ने भाग लिया। मुख्य वक्ता इन्तेखाब आलम ने कहा कि विदेश में रह रहे प्रत्येक भारतीय को अपने मताधिकार के प्रति सजग रहना चाहिए। जिस प्रकार लोग परिवार की खुशहाली और रोजगार के लिए मेहनत करते हैं, उसी प्रकार मतदाता सूची में अपने नाम की नियमित जांच करना भी प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। उन्होंने बताया कि आज डिजिटल माध्यम और विभिन्न ऐप की सहायता से घर बैठे मतदाता सूची में अपना नाम देखा जा सकता है।उन्होंने प्रवासी भारतीयों से अपील की कि वे केवल सरकारी व्यवस्था के भरोसे न रहें, बल्कि स्वयं सक्रिय होकर अपने बीएलओ, मुखिया और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के संपर्क में रहें, ताकि किसी भी कारण से उनका नाम मतदाता सूची से न हटे। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत मतदान का अधिकार है और प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह अपने इस संवैधानिक अधिकार की रक्षा के प्रति सतर्क रहे।संगोष्ठी में कई प्रवासी भारतीयों ने बताया कि वे पिछले 25, 30 और 35 वर्षों से सऊदी अरब में रहकर देश का नाम रोशन कर रहे हैं। सभी प्रतिभागियों ने मतदाता जागरूकता अभियान को समय की आवश्यकता बताते हुए इसे उपयोगी पहल करार दिया।

मानसून सत्र से पहले तीन घंटे चली सर्वदलीय बैठक

40 पार्टियां शामिल, रिजिजू बोले-सबने अपनी बात रखी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मानूसन सत्र से एक दिन पहले रविवार को संसद भवन के एनेक्सी बिल्डिंग में सर्वदलीय बैठक हुई। 3 घंटे चली मीटिंग की अध्यक्षता राजनाथ सिंह ने की। मीटिंग में कांग्रेस, सपा, टीएमसी, डीएमके सहित 40 दलों के नेता शामिल हुए। हालांकि बैठक के बीच विपक्ष ने सांकेतिक वॉकआउट किया। विपक्ष का आरोप है कि सरकार ने टीएमसी के बागी 20 सांसदों के गुट को बैठक में क्यों बुलाया, जबकि स्पीकर ओम बिरला ने उनके गुट को अभी तक मान्यता नहीं दी है। उधर संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने बैठक के बाद कहा कि, मीटिंग में अच्छी चर्चा हुई। सबने अपनी बात रखी।

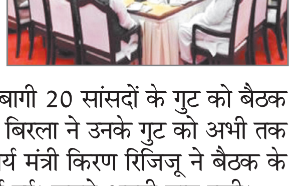

ईरान में बड़ी तबाही मचाने की तैयारी में अमेरिका!

अरब देशों में अलर्ट पर 50,000 सैनिक, हालात बिगड़ने की चेतावनी

वॉशिंगटन (एजेंसी)। यूएस सेंट्रल कमांड ने बताया है कि शनिवार को अमेरिकी सेना ने ईरान पर लगातार आठवीं रात बमबारी की है। इन हमलों में ईरान की निगरानी और एयर डिफेंस सुविधाओं, समुद्री क्षमताओं और मिसाइल-ड्रोन स्टोरेज साइटों को निशाना बनाया गया। ये हमले ईरान के जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य बेस को निशाना बनाने के बाद किए गए। जॉर्डन में दो अमेरिकी सैनिकों की मौत हुई है। इससे क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है और अमेरिका ने अपने सैनिकों को अलर्ट कर दिया है। अमेरिका की इस तैयारी से युद्ध के तेजी से बढ़ने और ईरान पर ज्यादा हमलों को अंदेशा बढ़ रहा है। इजरायली वेबसाइट यरुशलम पोस्ट ने अपनी रिपोर्ट में यूएस सेंट्रल कमांड के हवाले से बताया है पश्चिम एशिया में अमेरिकी सेना पूरी

तरह से अलर्ट पर रखे गए हैं। पश्चिम एशिया में अमेरिका के 50,000 से अधिक सैनिक तैनात हैं। तनाव को देखते हुए सभी सैनिक अलर्ट मोड पर हैं और आगे की किसी भी कार्रवाई के लिए तैयार हैं। अमेरिका अरब में सैनिकों के अलावा अपने फाइटर जेट की मौजूदगी बढ़ा रहा है। इसके लिए जर्मनी के स्पैंगडाहलेम एयर बेस से एफ-16 और ब्रिटेन से एफ-35 स्टील्थ फाइटर जेट भेजे जा रहे हैं। ये विमान इजरायल और दूसरे बेसों पर तैनात किए जाएंगे। अमेरिका से अतिरिक्त एरियल रिफ्यूलिंग (हवा में ईंधन भरने वाले) विमान भी इजरायल भेजे जा रहे हैं। अमेरिकी विदेश विभाग ने पश्चिम एशिया पर केंद्रित पिछली चेतावनियों के बाद दुनियाभर में सुरक्षा अलर्ट जारी किया है। इसमें अमेरिकी नागरिकों से हालात बिगड़ने की संभावना के चलते ज्यादा सावधानी बरतने को कहा गया है। विभाग ने कहा है कि ईरान-समर्थित समूह विदेशों में अमेरिकी हितों को निशाना बना सकते हैं।

इजरायल की घटनाक्रम पर नजर

यरुशलम पोस्ट के मुताबिक, अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव पर इजरायल बारीकी से नजर रख रहा है। अमेरिकी सेना लगातार आठ रातों के हमलों के बाद नौवें दिन भी ऑपरेशन की तैयारी कर रही है। इजरायली अधिकारियों का मानना है कि फिलहाल ईरान ने उनके देश पर हमले से परहेज किया है लेकिन आने वाले दिनों में चीजें किसी भी तरफ जा सकती हैं। अमेरिकी अधिकारियों ने फिलहाल इजरायल से लड़ाई से दूर रहने के लिए कहा है। इजरायल ने कथित तौर पर ईरान के खिलाफ हमलों में शामिल होने की पेशकश की थी लेकिन वॉशिंगटन ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया। इजरायल की भागीदारी ईरान के रुख पर निर्भर करेगी। ईरान की ओर से हमला हुआ तो इजरायली सेना की ओर से तेहरान में हमले हो सकते हैं। इजरायली अधिकारियों का कहना है कि अगर वॉशिंगटन से इजरायल को लड़ाई में भागीदारी की मंजूरी मिलती है तो फिर उनकी सेना ईरान में उन ऑपरेशन्स को फिर से शुरू कर सकती है, जिन्हें पिछले संघर्ष-विराम से पहले पूरा नहीं किया जा सका था। इसमें इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाना शामिल होगा।

संक्षिप्त समाचार

हजारीबाग के होटल में पुलिस की छापेमारी, कई युवक-युवतियां हिरासत में लिए गए

हजारीबाग, एजेंसी। झारखंड के हजारीबाग शहर के कोर्रा थाना क्षेत्र अंतर्गत दीपूगढ़ा स्थित एक होटल से रविवार को युवक-युवतियों को हिरासत में लिया। पुलिस की कार्रवाई की भनक लगते ही होटल में मौजूद कुछ युवक-युवतियां मौके से भाग निकले। पुलिस ने होटल में मौजूद युवकों से पूछताछ शुरू कर दी है और उनके होटल में ठहरने तथा आने के उद्देश्य की जानकारी जुटाई जा रही है। छापेमारी के बाद पुलिस ने होटल को तत्काल बंद करा दिया। मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चा हो रही है। कोर्रा थाना प्रभारी नेमधारी रजक ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने होटल में कार्रवाई की। पूछताछ के आधार पर पूरे मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि जांच के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस होटल के संचालक से भी आवश्यक जानकारी जुटा रही है और मामले के सभी पहलुओं की पड़ताल की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने संताली फिल्म 'आंगेन' के राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने पर दी बधाई

रांची, एजेंसी। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने संताली फिल्म 'आंगेन' के निर्देशक रवि राज मुर्मू को राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने पर रविवार को बधाई दी। इस फिल्म ने 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में किसी निर्देशक की सर्वश्रेष्ठ पहली फिल्म का पुरस्कार जीता है। पीटीआई न्यूज एजेंसी के अनुसार, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि यह पुरस्कार मिलना झारखंड से उभर रहीं ''असीम रचनात्मक प्रतिभा'' को दर्शाता है और स्वदेशी कला, संस्कृति तथा सिनेमा के एक जीवंत केंद्र के रूप में राज्य की बढ़ती पहचान को और मजबूत करता है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''मैं रवि राज मुर्मू को इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर हार्दिक बधाई देता हूं। प्रतिष्ठित राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीतना न केवल उनके लिए एक व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि झारखंड के लोगों और पूरे संताली भाषी समुदाय के लिए भी अत्यधिक गर्व का विषय है।'' उन्होंने कहा, ''उन्होंने 'आंगेन' के जरिए राष्ट्रीय मंच पर संथाली भाषा, संस्कृति और किस्सागोई की समृद्ध परंपरा का प्रदर्शन किया है।''

देवघर पहुंचे मंत्री योगेंद्र प्रसाद, बाबा बैद्यनाथ धाम में परिवार संग की पूजा-अर्चना

देवघर, एजेंसी। झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता तथा उत्पाद एवं मद्य निषेध मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने रविवार को अपनी धर्मपत्नी एवं गोमिया की पूर्व विधायक बबीता देवी, भाई चित्रगुप्त महतो और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ विश्वप्रसिद्ध बाबा बैद्यनाथ धाम में विधिवत पूजा-अर्चना कर भगवान शिव का आशीर्वाद लिया। पूजा-अर्चना के दौरान मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने बाबा भोलेनाथ से झारखंड सहित समस्त प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य, शांति एवं खुशहाली की कामना की। उन्होंने राज्य के सर्वांगीण विकास और जनकल्याण के लिए भी प्रार्थना की। बाबा बैद्यनाथ धाम में दर्शन-पूजन के बाद मंत्री योगेंद्र प्रसाद देवघर में अपने विभाग की समीक्षा बैठक में शामिल होंगे। बैठक में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की विभिन्न योजनाओं की प्रगति, क्रियान्वयन की स्थिति तथा आगामी कार्ययोजना पर अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा करेंगे। साथ ही योजनाओं को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से धरातल पर उतारने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश भी देंगे। उल्लेखनीय है कि मंत्री योगेंद्र प्रसाद इन दिनों विभागीय कार्यों की समीक्षा के लिए विभिन्न जिलों का दौरा कर रहे हैं। इसी क्रम में उनका देवघर दौरा भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

श्रावणी मेला में दो सौ डॉक्टरों की होगी तैनाती, हर पांच किमी पर लगेंगे शिविर

रांची, एजेंसी। श्रावणी मेला 2026 में श्रद्धालुओं की स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए झारखंड सरकार द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही है। झारखंड में प्रवेश करते ही लोगों को कांवरियों को बेहतर स्वास्थ्य देखभाल और उपचार मिले, इसके लिए हर कांवरिया पथ में हर पांच किलोमीटर पर अस्थायी स्वास्थ्य शिविर लगाये जायेंगे। स्वास्थ्य विभाग ने 30 जुलाई से 28 अगस्त तक चलने वाले मेले के लिए जिलों से 200 से ज्यादा चिकित्सकों को अस्थाई रूप से पदस्थापित करने पर विचार कर रहा है। डॉक्टरों के 80-80 के बैच का दो शिफ्ट में देवघर में तैनाती की जायेगी।दुमका के वासुकिनाथ में 20-20 चिकित्सकों का शिफ्ट होगा। वहीं, बड़ी संख्या में पैरामेडिकल स्टॉफ की प्रतिनियुक्ति की जायेगी। सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी (सीएचओ) के नेतृत्व में एमपीडब्ल्यू स्टॉफ की भी प्रतिनियुक्ति के लिए निदेशक प्रमुख स्वास्थ्य सेवा डॉ सिद्धार्थ सान्याल की ओर से फाइल आगे बढ़ायी गयी है। कांवरिया पथ पर विशेष स्वास्थ्य शिविर स्थापित किये गये हैं। इन शिविरों में 24 घंटे चिकित्सा सेवाएं प्रदान की जायेंगी।

सुरक्षा बलों के चक्रव्यूह में फंसा लाल गलियारा

बचे नक्सली ट्राई जंक्शन क्षेत्र में सिमटे, बड़े सरेंडर के संकेत

रांची, एजेंसी। झारखंड में नक्सलवाद का दीया लगभग बुझ गया है। जो नक्सली बचे भी हैं वो सुरक्षाबलों के चक्रव्यूह में ऐसे फंसे हैं कि चाह कर भी कुछ नहीं कर पा रहे हैं। पुलिस जानती है कि बड़े हमलों से ज्यादा कारगर घेराबंदी और रसदबंदी है, इस कारण पुलिस इसी पर अमल कर रही है। इसका नतीजा एक सप्ताह में ही 25 लाख और 20 लाख के इनामी नक्सली दबोचे गए हैं। संकेत यह भी है की झारखंड में एक और बड़ा सरेंडर जल्द होगा।

25 लाख के इनामी माओवादी कमांडर अजय महतो और 20 लाख के इनामी रविंद्र गंझू की गिरफ्तारी के बाद झारखंड के सारंडा में खलबली मची हुई है। पुलिस मुख्यालय के अनुसार बचे नक्सली ट्राई जंक्शन (खूंटी, सरायकेला और चाईबासा बॉर्डर से सटे जंगल) की तरफ पहुंच रहे हैं। उनकी योजना सिर्फ अपने आप को बचाने की है। वे कहीं से भी पुलिस के साथ कोई मुकाबला नहीं करना चाह रहे हैं। सारंडा क्षेत्र में सुरक्षा बलों के लगातार दबाव और अभियानों के बाद कई नक्सली इस दुर्गम सीमा क्षेत्र में शरण लेने की कोशिश कर रहे हैं, जहां से वे अपने नेटवर्क को किसी तरह बचाए रखने की कोशिश में हैं।

इस संबंध में झारखंड पुलिस के आईजी अभियान नरेंद्र सिंह ने बताया की अजय महतो और रविंद्र गंझू जैसे शीर्ष कमांडरों की गिरफ्तारी से नक्सलियों को झटका लगा है। अब अभियान का फोकस बचे हुए शीर्ष नक्सलियों की गिरफ्तारी, उनके वित्तीय नेटवर्क को ध्वस्त करने, हथियारों की बरामदगी और सक्रिय दस्ते को पूरी तरह समाप्त करने पर है।

सूचना के मुताबिक झारखंड में सुरक्षा बलों के लगातार अभियान और शीर्ष माओवादी नेताओं की उनके गृह क्षेत्र से हो रही गिरफ्तारी के बाद बचे हुए नक्सलियों के बीच खलबली मची है। नक्सली अब अपने गृह क्षेत्र या पारंपरिक प्रभाव वाले इलाकों में लौटने से बच रहे हैं और नए सुरक्षित ठिकानों की तलाश में जुटे हैं।

गृह क्षेत्रों में सुरक्षा बलों की लगातार मौजूदगी, मुखबिर तंत्र की सक्रियता और लगातार चल रहे सर्च ऑपरेशन के कारण नक्सलियों के लिए पहले की तरह सुरक्षित ठहरना मुश्किल हो गया है। ऐसे में संगठन के बचे हुए नक्सली ट्राई-जंक्शन क्षेत्रों में शरण ले रहे हैं। हाल के महीनों में लगातार गिरफ्तारियों, मुठभेड़ों और आत्मसमर्पण से नक्सल संगठनों में ताकत न बराबर बची है। इसी कारण बचे हुए कैडर अपनी पहचान छिपाकर नए ठिकाने तलाश रहे हैं।

इस संभावना को देखते हुए झारखंड पुलिस, सीआरपीएफ और अन्य सुरक्षा बलों ने सीमावर्ती क्षेत्रों में निगरानी और कॉम्बिंग ऑपरेशन तेज कर दिए हैं। सुरक्षा एजेंसियां नक्सलियों की संभावित आवाजाही पर नजर रख रही हैं, ताकि उन्हें किसी भी नए इलाके में पैर जमाने का अवसर न मिल सके।

साल 2026 में अब तक 22 नक्सली एनकाउंटर में मारे गए हैं। इनमें सबसे ज्यादा एनकाउंटर में मारे गए नक्सलियों की संख्या सारंडा में ही रही है। 17 नक्सलियों के एक साथ एनकाउंटर के बाद 25 नक्सलियों के एक साथ आत्मसमर्पण ने सारंडा में नक्सलियों की जमीन खोखली कर दी थी। नतीजा सारंडा में भगदड़ मची, जंगल छोड़ कर बाहर निकलने की कोशिश शुरू हुई, लेकिन जो भी बाहर निकला पकड़ा गया।

झारखंड पुलिस के आईजी अभियान नरेंद्र सिंह ने बताया कि नक्सलियों के एनकाउंटर, आत्मसमर्पण और बड़ी गिरफ्तारियों के बाद अब नक्सलवाद ना के बराबर बचा है। सारंडा में जो भी नक्सली बचे हुए हैं उन सब को यही सलाह है कि वह हथियार डालकर मुख्य धारा से जुड़ जाएं। फिलहाल नक्सलियों के हर ठिकाने की घेराबंदी कर के रखी गई है।

सारंडा और ट्राइ जंक्शन में 15 वांटेड सहित लगभग 32 की संख्या में नक्सली किसी तरह अपने आप को सुरक्षाबलों के नजरों से बचा कर रखा है। पुलिस उन्हें सलाह दे रही है कि वे आत्मसमर्पण कर दें।

हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज एंड हॉस्पिटल में स्टोर इंचार्ज की हत्या, दो आरोपी फरार,

हजारीबाग, एजेंसी। हजारीबाग कॉलेज ऑफ साइंस डेंटल कॉलेज ऑफ साइंस एंड हॉस्पिटल डेमोटांड में स्टोर में काम करने वाले विकास कुमार सिंह की हत्या कर दी गई। घटना 18 जुलाई की देर रात की बताई जाती है। वह बिहार रोहतास जिला अरिहत थाना क्षेत्र के भस्वारा गांव का रहने वाला था। मृतक डेंटल कॉलेज में स्टोर इंचार्ज था।

घटना की सूचना मिलते ही मुफ्फसिल पुलिस घटना स्थल पर पहुंचकर मामले की जांच में जुटी है। रसोई में काम करनेवाले तीन लोगो पर हत्या का आरोप-मृतक के रिश्तेदार ब्रजकुमार सिंह ने बताया कि विकास की हत्या रसोई में काम करने वाले गिरिडीह के पवन कुमार मुफस्सिल थाना क्षेत्र के भेलवारा गांव के दशरथ यादव और अर्जुन नाम के व्यक्तियों ने कर दी। इसमें अर्जुन और पवन कुमार फरार है। मृतक समेत चारो एक साथ खाया पिया-अस्पताल में काम करने वाले कर्मियों ने बताया कि मृतक सहित चारों लोगों ने एक साथ खाना पीना किया। चारों एक ही साथ रहते थे। रात में खाना खाने के बाद चारों एक कमरे में में थे।

सुबह में लोगों को जानकारी हुआ कि जिस कमरे में लोग सो रहे थे। उसे कमरे में विकास कुमार का शव पड़ा हुआ था। साथ ने खाना खाकर एक कमरे में रहनेवाला पवन और अर्जुन फरार है। इसकी जानकारी तत्काल पुलिस को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंच कर मामले की तहकीकात शुरू कर दिया है। हॉस्पिटल में लगे सीसीटीवी कैमरे को पुलिस खंगाल रही है। पुलिस फिलहाल कुछ नही बता रही है।

घर से महिला का शव बरामद, परिजनों ने ससुराल वालों पर लगाया हत्या का आरोप

गिरिडीह, एजेंसी। जिले के देवरी थाना अंतर्गत नयासांखो गांव में एक 24 वर्षीय महिला शेंपू देवी की लाश उसके घर से बरामद हुआ है। मृतका के मायके वालों ने ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया है। मृतका के दो बच्चे चार वर्ष का पुत्र और एक वर्ष की पुत्री है। परिजनों का कहना है कि हत्या कर लाश को आत्महत्या के रूप में दिखाने की कोशिश की गई है।

मृतका के भाई आशीष चौबे ने बताया कि वर्ष 2021 में उसकी बहन शेंपू देवी की शादी तिलयडीह गांव के बसंत तिवारी के साथ हुई थी। विवाह के बाद सोने की चेन की मांग को लेकर ससुराल पक्ष के द्वारा शेंपू देवी को प्रताड़ित किया जा रहा था। चेन की मांग पूरी करने के बाद पैसे की मांग की जाने लगी। इसे लेकर लगातार विवाद किया जा रहा था। इस बीच शेंपू के पति के द्वारा फोन पर बताया गया कि शेंपू देवी ने आत्महत्या कर ली है। सूचना पर तिलयडीह पहुंचने पर पता चला कि शेंपू देवी की हत्या कर शव आत्महत्या दिखाने की कोशिश की गई।

आशीष चौबे ने कहा कि मृतका के पति बसंत कुमार तिवारी के उकसावे पर उसके घर के सदस्यों के द्वारा हत्या की इस घटना को अंजाम दिया गया है। इधर घटना की सूचना पर देवरी थाना के एएसआई राधेश्याम चौधरी मौके पर पहुंचकर शव का पंचनामा तैयार किया और पोस्टमार्टम के लिए गिरिडीह भेज दिया गया है।

मौके पर मौजूद एएसआई राधेश्याम चौधरी ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम करवाया जाएगा, उसके बाद ही सही वजह सामने आएगी कि आखिर शेंपू देवी की मौत कैसे हुई। पुलिस ने बताया कि मृतका के मायके वाले जो भी आवेदन देंगे, उसपर एफआईआर दर्ज होगी।

धनबाद के बेनागड़िया नवोदय विद्यालय में 10वीं छात्र के साथ रैगिंग, अस्पताल में भर्ती

धनबाद, एजेंसी। झारखंड के धनबाद जिले के बेनागड़िया निरसा से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। बेनागड़िया निरसा के पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय में 10वीं के छात्र सुमित कुमार दास (16) के साथ उसके सहपाठियों ने मंगलवार की रात को रैगिंग की है। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल भी हो रहा है। इस वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि सुमित कुमार दास नंगा दिखाई दे रहा है और उसके सहपाठी उसे गाली दे रहे हैं और बेल्ट से उसकी पिटाई कर रहे हैं। इसके साथ ही, वाटर बोतल से जबरन कोई पेय पदार्थ भी पिला रहे हैं।

मिली जानकारी के अनुसार, पीड़ित छात्र सुमित कुमार दास मंगलवार रात हॉस्टल में अपने कमरे में था। उसके साथ उसी कमरे में उसके 6 दोस्त भी थे। मोबाइल में पैसे ट्रांसफर करने के कारण बहस छिड़ गई। मामला इतना बढ़ गया कि सुमित के ही कक्षा में पढ़ने वाले विशाल कुमार, अनिकेत कुमार, नमन राज, लक्ष्मण कुमार महतो, अभिजीत सिंह ने देर रात दो बजे सुमित के हाथ रस्सी से बांधकर पिटाई शुरू कर दी।

इसके बाद, इन छात्रों ने मोबाइन से सुमित कुमार दास का वीडियो भी बनाया। इस वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि इन छात्रों द्वारा डराते-धमकाते हुए यह किसी को न बताने को कहा गया। पीड़ित छात्र दो दिन तक किसी को कुछ नहीं बताया और स्कूल में नर्स से दवाई खाने लगा। पीड़ित छात्र गोविंदपुर के नगरक्यारी गांव का रहने वाला है।

इस बीच सुमित कुमार दास ने फोन करके अपने परिवार से बात की और ठीक होने की बात कही। उसने फोन पर कहा कि वह ठीक है और अच्छे तरीके से पढ़ाई कर रहा है। लेकिन, इसके बाद तबीयत ज्यादा बिगड़ने के कारण सुमित कुमार दास ने परिजन को कॉल कर पूरे मामले की जानकारी दी। परिवार स्कूल पहुंचे। तब जाकर विद्यालय प्रबंधन को जानकारी मिली। तत्काल उसे पांडरा उप-स्वास्थ्य केंद्र उपचार के लिए भेजा गया। छात्र की स्थिति गंभीर होने के कारण एसएनएमएमसीएच धनबाद भेज दिया गया है।

विद्यालय के प्रबंधक सीके यादव ने कहा कि स्कूल में किसी भी छात्र को मोबाइल रखने की अनुमति नहीं है। इसके बावजूद बच्चों के पास मोबाइल होते हैं। बच्चों के परिजन खुद चोरी-छिपे बच्चों को मोबाइल दे देते हैं। उन्होंने कहा कि मामले की जांच के लिए कमेटी बनाकर छात्रों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि विद्यालय और छात्रावास में सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम हैं और पूरे परिसर की निगरानी सीसीटीवी कैमरों से की जाती है। प्राइवेसी के कारण क्लास रूम में कैमरे नहीं लगाए गए है।

श्रावणी मेला 2026: स्वास्थ्य से लेकर ट्रैफिक तक के खास इंतजाम, लगेंगे 35 हेल्थ कैंप,

देवघर, एजेंसी। राजकीय श्रावणी मेला 2026 को लेकर देवघर जिला प्रशासन की तैयारियां अब पूरी तरह युद्धस्तर पर चल रही हैं। लाखों कांवरियों की सुरक्षा, स्वास्थ्य और सुगम यात्रा को देखते हुए प्रशासन ने स्वास्थ्य सेवाओं से लेकर यातायात व्यवस्था तक व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग की ओर से मेला क्षेत्र में 35 स्वास्थ्य शिविर स्थापित किए जाएंगे।

सिविल सर्जन डॉ। रमेश कुमार ने बताया कि पूरे मेले के दौरान 228 चिकित्सक और करीब 400 पारा स्वास्थ्यकर्मी श्रद्धालुओं की सेवा में तैनात रहेंगे। बाहर से आने वाले डॉक्टरों के ठहरने की व्यवस्था उपायुक्त के निर्देश पर दुम्मा, कलकतिया सहित अन्य स्थानों पर की गई है। उनके आवास, भोजन और अन्य आवश्यक सुविधाएं भी जिला प्रशासन की ओर से सुनिश्चित की गई है।

आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं को और मजबूत बनाने के लिए प्रत्येक स्वास्थ्य शिविर में एक-एक एंबुलेंस उपलब्ध रहेगी। इसके अलावा मेला क्षेत्र के संवेदनशील स्थानों पर भी अतिरिक्त एंबुलेंस तैनात की जाएगी, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल राहत पहुंचाई जा सके।

वहीं, श्रावणी मेले के दौरान यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए नगर निगम लगातार अतिक्रमण हटाओ अभियान चला रहा है। नगर आयुक्त सुलोचना मीणा ने बताया कि कांवरिया पथ को पूरी तरह अतिक्रमण मुक्त बनाया जा रहा है, ताकि श्रद्धालुओं को आवाजाही में किसी तरह की परेशानी न हो। साथ ही जिला प्रशासन ने कांवरिया रूट पर बड़े वाहनों के प्रवेश पर रोक लगा दी है, जिससे जाम की स्थिति से बचा जा सके।

गौरतलब है कि 30 जुलाई से राजकीय श्रावणी मेले की शुरुआत हो रही है। इसे लेकर जिला प्रशासन ने सभी संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि इस वर्ष लाखों श्रद्धालुओं के बीच प्रशासन की तैयारियां कितनी कारगर साबित होती हैं।

आकांक्षा योजना का कमाल, नीट 2026 में झारखंड के सरकारी स्कूलों के 17 छात्रों ने पाई सफलता

रांची, एजेंसी। झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी राज्य स्तरीय आकांक्षा योजना ने एक बार फिर अपनी उपयोगिता साबित की है। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा संचालित इस निशुल्क आवासीय कोचिंग कार्यक्रम के 17 विद्यार्थियों ने NEET-2026 परीक्षा में सफलता हासिल की है। इन छात्रों ने बेहतर परसेंटाइल के साथ मेडिकल प्रवेश परीक्षा में अपनी जगह बनाई है। जिससे सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले आर्थिक रूप से कमजोर, लेकिन मेधावी छात्रों के लिए नई उम्मीद जगी है।

आकांक्षा योजना की शुरुआत वर्ष 2016-17 में की गई थी। इस योजना के तहत जैक बोर्ड से उत्तीर्ण मेधावी छात्रों का चयन कर उन्हें मेडिकल, इंजीनियरिंग और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए निशुल्क आवासीय सुविधा, भोजन, अध्ययन सामग्री और अनुभवी शिक्षकों का मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाता है। यही कारण है कि हर साल इस योजना के विद्यार्थी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं।

इस वर्ष सफल छात्रों में अंजलि महतो ने सबसे शानदार प्रदर्शन करते हुए 99.79 परसेंटाइल हासिल की और ऑल इंडिया रैंक 4029 प्राप्त की। वहीं हिमांशु राज ने 99.60 परसेंटाइल के साथ 7669 रैंक हासिल किया। इसके अलावा जीतू यादव, रोहन कुजूर, नितेश कुमार महतो, सेजल राज चंद्रा, काजल कुमारी, किरण कुमारी, खुशी कुमारी, खुशबू कुमारी, रीत कुमार ठाकुर, अमर मुर्मू, सूर्यकांत उरांव, सृष्टि कुमारी, विवेक कुमार मंडल, विनोद चिक बराइक और ममता कुमारी ने भी परीक्षा में सफलता प्राप्त की।

सरकार का कहना है कि जहां निजी कोचिंग संस्थानों में मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी पर लाखों रुपये खर्च होते हैं, वहीं आकांक्षा योजना के तहत विद्यार्थियों को रहने, खाने और पढ़ाई की पूरी व्यवस्था निशुल्क उपलब्ध कराई जाती है। इससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के प्रतिभाशाली छात्रों को भी आगे बढ़ने का समान अवसर मिल रहा है।

माध्यमिक शिक्षा निदेशक राजेश प्रसाद ने कहा कि आकांक्षा योजना के विद्यार्थियों की यह सफलता पूरे राज्य के लिए गर्व की बात है। सभी सफल छात्रों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं। राजेश प्रसाद ने कहा यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर मेधावी विद्यार्थियों के सपनों को साकार करने का सशक्त माध्यम बन रही है।

सोशल मीडिया फेम की होड़ में स्कूली बच्चे कर रहे जानलेवा बाइक स्टंट, पुलिस ने दी चेतावनी!

लातेहार, एजेंसी। बालूमाथ थाना क्षेत्र में सोशल मीडिया रील्स बनाकर प्रसिद्धि पाने की चाहत में स्कूली छात्रों द्वारा खतरनाक बाइक स्टंट किए जाने का मामला सामने आया है। वीडियो में एक स्कूली छात्र बाइक का अत्यंत जोखिम भरा स्टंट करते दिख रहा है, हालांकि चेहरा अत्यंत धुंधला होने के कारण छात्र की पहचान नहीं हो पाई है।

इस मामले में दो अलग-अलग वीडियो सामने आए हैं। पहले वीडियो में बालूमाथ स्कूल से निकलता हुआ छात्र बाइक पर सवार दिख रहा है। वह खतरनाक स्टंट करते हुए बाइक का अगला चक्का हवा में उछाल देता है और बाइक को लगभग 50 मीटर तक सिर्फ एक पहिये पर चलाते हुए स्कूल से बाहर निकलता है।

दूसरे वीडियो में भी यही स्कूली छात्र कोलियरी के रास्ते में स्टंट करता नजर आ रहा है। यहां वह लगभग 50 मीटर से अधिक दूरी तक बाइक के केवल एक पहिए पर यात्रा करता हुआ दिखाई देता है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि स्टंट के दौरान सामने से कोयला लोडेड ट्रक और हाईवे वाहन भी आते हुए साफ दिख रहे हैं।

सोशल मीडिया का प्रभाव युवाओं और बच्चों पर गहराता जा रहा है। रातों-रात प्रसिद्धि पाने की चाहत में स्कूली बच्चे अपनी जान जोखिम में डालकर खतरनाक बाइक स्टंट करने से बाज नहीं आ रहे हैं। इस तरह की घटनाएं अब आम होती जा रही हैं।

प्रशासन ने कार्रवाई की और बाइकर्स को चिन्हित कर चालान काटे गए थे। उस घटना के बाद ऐसी घटनाओं में कुछ कमी आई थी, लेकिन अब फिर से युवाओं में बाइक स्टंट कर वीडियो वायरल करने की प्रवृत्ति बढ़ती दिख रही है।

जिला परिवहन पदाधिकारी (डीटीओ) उमेश मंडल ने इस मामले पर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि यह बेहद गंभीर मामला है और इसमें अभिभावकों की लापरवाही भी शामिल है। डीटीओ ने स्पष्ट किया कि बच्चों को बाइक देने वाले अभिभावकों पर भी कार्रवाई की जाएगी। नियम के अनुसार 25,000 रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है।

जिला परिवहन पदाधिकारी उमेश मंडल ने सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों को किसी भी सूरत में बाइक न दें। उन्होंने कहा कि 18 वर्ष की उम्र पूरी होने के बाद ही ड्राइविंग लाइसेंस बनवाकर वाहन चलाएं। उन्होंने बाइक स्टंट करने वाले युवकों को भी सख्त चेतावनी दी है कि निर्धारित रफ्तार से अधिक गति से गाड़ी चलाने या स्टंट करते पकड़े जाने पर कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी।

जेएफडब्ल्यूसी परीक्षा: स्टूडेंट्स के लिए रांची रेलवे चलाएगा 5 जोड़ी स्पेशल ट्रेन

रांची, एजेंसी। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा झारखंड क्षेत्रीय कार्यकर्ता प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन रविवार 19 जुलाई 2026 को किया गया है। इसको लेकर रांची रेलवे ने स्टूडेंट्स के लिए स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है।जेएफडब्ल्यूसी परीक्षा के दौरान यात्रियों और परीक्षार्थियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए दक्षिण पूर्व रेलवे के रांची मंडल ने बड़ा फैसला लिया है। अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए 5 जोड़ी परीक्षा स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जाएगा। ये ट्रेनें झारखंड के विभिन्न शहरों के साथ-साथ बिहार तक परीक्षार्थियों को बेहतर रेल सुविधा उपलब्ध कराएंगी। रेलवे का कहना है कि विशेष ट्रेनों के परिचालन से नियमित ट्रेनों पर दबाव कम होगा और अभ्यर्थियों को समय पर परीक्षा केंद्र तक पहुंचने में सहूलियत मिलेगी।

रेलवे के अनुसार पहली स्पेशल ट्रेन रांची-दुमका-रांची अनारक्षित परीक्षा स्पेशल (08619/08620) 19 और 20 जुलाई को चलेंगी। यह ट्रेन मुरी, झालदा, बोकारो स्टील सिटी, धनबाद, जसीडीह और देवघर होते हुए दुमका पहुंचेगी। इस ट्रेन में कुल 10 कोच लगाए गए हैं, जिनमें 8 सामान्य श्रेणी और 2 एसएलआर कोच शामिल हैं। परीक्षा के दौरान यात्रियों और परीक्षार्थियों की सुविधा हमारी प्राथमिकता है। अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए पांच जोड़ी परीक्षा स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। इन ट्रेनों से अभ्यर्थियों को समय पर अपने परीक्षा केंद्र तक पहुंचने में सुविधा मिलेगी और नियमित ट्रेनों पर भी दबाव कम होगा। यात्रियों से अनुरोध है कि वे रेलवे के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए सुरक्षित यात्रा करें। -श्रेया सिंह, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक (सीनियर डीसीएम), रांची रेल मंडल।

दूसरी स्पेशल ट्रेन टाटानगर-हजारीबाग रोड-टाटानगर अनारक्षित मेमू परीक्षा स्पेशल (08103/08104) का संचालन 19 और 20 जुलाई को होगा। यह ट्रेन आदित्यपुर, चांडिल, मुरी, बोकारो स्टील सिटी और गोमो होते हुए हजारीबाग रोड तक जाएगी। इस मेमू स्पेशल में कुल 8 कोच रहेंगे।तीसरी और सबसे महत्वपूर्ण परीक्षा स्पेशल ट्रेन रांची-पटना-रांची (08624/08623) होगी। यह ट्रेन 19 जुलाई को रांची से रवाना होकर मुरी, बोकारो स्टील सिटी, गोमो, हजारीबाग रोड, कोडरमा और गया होते हुए पटना पहुंचेगी। वापसी में 20 जुलाई को पटना से रांची आएगी। इस ट्रेन में कुल 18 कोच लगाए जाएंगे, जिनमें 14 स्लीपर, 2 सामान्य और 2 एसएलआरडी कोच शामिल हैं, जिससे लंबी दूरी के परीक्षार्थियों को काफी राहत मिलेगी।

संक्षिप्त समाचार

रांची में दो घंटे की बारिश में सड़कें बनीं तालाब, घरों में घुसा पानी

रांची, एजेंसी। झारखंड की राजधानी रांची में शनिवार दोपहर हुई मूसलाधार बारिश ने नगर निगम की जल निकासी व्यवस्था की पोल खोल दी। करीब डेढ़ से दो घंटे की तेज बारिश के बाद शहर की कई प्रमुख सड़कें तालाब में तब्दील हो गयीं। कई इलाकों में दो से तीन फीट तक पानी भर गया, जिससे वाहन चालकों को सड़क और गड्ढों का अंदाजा लगाना मुश्किल हो गया। जलजमाव के कारण कई वाहन बीच सड़क पर बंद हो गये और जगह-जगह लंबा जाम लग गया। काली टावर, लालपुर, जयपाल सिंह स्टेडियम, बकरी बाजार, सेवा सदन पथ और लाइन टैंक तालाब के पास सबसे अधिक परेशानी देखने को मिली। करीब एक घंटा तक यातायात प्रभावित रहा। बाद में पानी कम होने पर स्थिति सामान्य हो सकी। बारिश के दौरान सेवा सदन पथ पूरी तरह जलमग्न हो गया। दूर-दूर तक सड़क पर सिर्फ पानी ही नजर आ रहा था। कई वाहनों के इंजन पानी में डूब गये और चालक बीच सड़क पर फंस गये। इस कारण करीब दो घंटे तक इस मार्ग पर आवाजाही बाधित रही। हलधर प्रेस गली की तस्वीर पिछले आठ वर्षों में भी नहीं बदली है। हर बरसात में जलजमाव झेल रहे इस इलाके में एक बार फिर बारिश का पानी घरों में घुस गया। घरों में रखा सामान पानी में तैरने लगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि सांसद, विधायक और नगर निगम के अधिकारियों से कई बार शिकायत की गयी, लेकिन आज तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका है। खोरहाटोली स्थित पुल भी बारिश के पानी में पूरी तरह डूब गया। पुल के ऊपर से तेज बहाव के साथ पानी गुजर रहा था, जिससे वाहन चालक पुल पार करने का साहस नहीं जुटा सके। ज्ञात हो कि कुछ वर्ष पहले इसी पुल से हजारीबाग निवासी उमेश राणा पानी के तेज बहाव में बह गये थे। इसके बावजूद पुल की ऊंचाई बढ़ाने या स्थायी समाधान की दिशा में अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई।

रांची विश्वविद्यालय में पीएचडी की रिक्त सीटों की जानकारी वेबसाइट पर अपलोड करना अनिवार्य

रांची, एजेंसी। रांची विवि में अब पीएचडी के लिए विभागवार/विषयवार रिक्त सीटों की जानकारी विवि की वेबसाइट पर अपलोड करना अनिवार्य होगा। वहीं, गाइड का चयन कर शोधार्थी को भेजने की जिम्मेवारी अब संबंधित विभागाध्यक्ष की होगी। उक्त निर्णय शनिवार को रांची विवि पीएचडी रेगुलेशन-2022 व एसओपी तैयार करनेवाली उच्चस्तरीय बैठक में लिये गये। बैठक की अध्यक्षता सीपीआरएचइ-निपा, नयी दिल्ली के प्रो पीके मिश्र ने की। विवि मुख्यालय स्थित कुलपति सभागार में आयोजित इस बैठक में यूजीसी ड्राफ्ट के मानकों के अनुरूप पीएचडी एसओपी तैयार करने का निर्णय लिया गया। निर्णय लिया गया कि विवि पीएचडी प्रवेश परीक्षा में झारखंड पात्रता परीक्षा व राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा से उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए भी सीटें सुरक्षित रहेंगी। यूजीसी मापदंड के अनुरूप ही शिक्षकों के निर्देशन में शोध रजिस्ट्रेशन का कोटा निर्धारित रहेगा। बैठक में विवि के रिसर्च निदेशक डॉ परवेज हसन द्वारा तैयार किये गये पीएचडी एसओपी नये परिनियम पर विस्तृत चर्चा हुई। निर्णय लिया गया कि इस परिनियम व एसओपी को राज्य के सभी विवि में मॉडल के रूप में पेश किया जायेगा। डॉ हसन ने कहा कि रांची विवि की कुलपति प्रो सरोज शर्मा ने गुणवत्तायुक्त शोध पर विशेष ध्यान दिया है। उनके निर्देशन में ही नीति और एसओपी को अंतिम रूप दिया जा रहा है। बैठक में गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विवि से प्रो गुलशन धामीजा, केंद्रीय विवि राजस्थान से प्रो बीसी महापात्रा, हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विवि से प्रो सीमा धवन सहित रांची विवि के डीएसडब्ल्यू डॉ सुदेश कुमार साहू, रजिस्ट्रार डॉ आरके शर्मा, डॉ नीरज कुमार, डॉ राज कुमार सिंह आदि उपस्थित थे।

राजकीय मछली मांगूर के संरक्षण की बनेगी कार्ययोजना

रांची, एजेंसी। राज्य सरकार ने मांगूर को राजकीय मछली घोषित किया है। राजकीय मछली घोषित किये छह माह से ज्यादा समय हो गया है। अब इसके विकास और संवर्द्धन की योजना तैयार होगी। इसके लिए राज्य सरकार केंद्र सरकार की मदद लेगी। राज्य सरकार के मत्स्य विभाग के अधिकारियों की बैठक 21 जुलाई को होगी। इसमें मत्स्य विभाग के अधिकारी झारखंड में मांगूर मछली के विकास में केंद्र से अपेक्षित सहयोग की रिपोर्ट पेश करेंगे। 2025 में राज्य सरकार ने इसे राजकीय मछली का दर्जा दिया है। बारिश के मौसम में झारखंड के गांवों में एक समय ऐसा था, जब धान के खेतों में पानी भरते ही बच्चे और किसान हाथों से देसी मांगूर पकड़ लेते थे। खेत, आहर, पोखर और छोटी नदियां इस मछली से भरी रहती थीं। लेकिन आज वही देसी मांगूर गांवों से लगभग गायब हो चुकी है। ग्रामीण बताते हैं कि वर्षों से उन्होंने प्राकृतिक जलाशयों में मांगूर नहीं देखी। यही वजह है कि झारखंड सरकार ने इसे राज्य की राजकीय मछली घोषित कर संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

सटीक सूचना पर दबोचा गया 'टाइगर',

अब उगल रहा है संगठन का राज

गिरिडीह, एजेंसी। प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादी के स्पेशल एरिया कमेटी मेंबर अजय महतो उर्फ टाइगर को गिरफ्तार करने के लिए झारखंड की पुलिस पिछले डेढ़ से दो दशक से परेशान थी। टाइगर जंगल के साथ-साथ शहर में भी आता था और घटनाओं को अंजाम देकर भाग जाता था। इस बार भी अजय महतो पारस के तराई वाले जंगल में आया था। खुखरा थाना इलाके के हरलाडीह जंगल में उसके आने की सूचना मिलते ही गिरिडीह एसपी डॉक्टर बिमल कुमार ने पूरे मामले से पुलिस महानिदेशक को अवगत कराया। इसके बाद सटीक रणनीति बनाई गई और फिर अजय को जंगल में ही दबोच लिया गया।

गिरफ्तारी के बाद शनिवार की शाम को अजय महतो को मीडिया के सामने लाया गया और पूरी कार्रवाई की विस्तृत जानकारी एसपी ने दी। एसपी ने बताया कि महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक के द्वारा नक्सलियों के विरुद्ध ठोस कार्रवाई किए जाने के निर्देश के बाद से ही पारसनाथ जोन में नियमित रूप से नक्सल विरोधी अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के दरमियान गिरिडीह जिला पुलिस और सीआरपीएफ की कोबरा-सी0 209 बटालियन ने एक संयुक्त उग्रवाद

विरोधी अभियान में प्रतिबंधित नक्सली संगठन (भाकपा माओवादी) के 25 लाख रुपये के ईनामी स्पेशल एरिया कमेटी के शीर्ष कमांडर अजय महतो उर्फ मोछु उर्फ टाईगर को गिरफ्तार किया है।

इसके विरुद्ध झारखंड के विभिन्न जिलों में हत्या, आईईडी विस्फोट, सुरक्षाबलों पर घात लगाकर हमला और सरकारी संपत्तियों को नष्ट करने से संबंधित कुल 240 से अधिक मामले दर्ज हैं। बताया गया कि दिनांक 17 जुलाई को गिरिडीह पुलिस को खुखरा थाना क्षेत्र के हरलाडीह ओपी के जंगली इलाकों में नक्सलियों की संदिग्ध गतिविधि की सटीक गुप्त सूचना मिली थी।

इस सूचना पर त्वरित संज्ञान लेते हुए पुलिस महानिरीक्षक (अभियान) एवं पुलिस महानिरीक्षक (केरिपुबल) झारखण्ड के मार्गदर्शन में एसपी गिरिडीह एवं सौरभ भटनागर (कमांडेंट, कोबरा-सी0 209 बटालियन) ने संयुक्त रूप से एक विशेष नक्सल विरोधी ऑपरेशन प्लान तैयार किया। छापेमारी दल का फील्ड नेतृत्व गिरिडीह पुलिस के एएसपी (अभियान) सुरजीत कुमार एवं कोबरा सी0-209 बटालियन के कंपनी कमांडर आकिफ अहमद बानी ने किया। सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम ने तकनीकी और मानवीय इनपुट के आधार पर हरलाडीह के ग्राम पिपराडीह (टोला-खवासटांड) के घने जंगली क्षेत्र को चारों तरफ से घेर लिया और भागने की कोशिश कर रहे अजय महतो को सूझबूझ से दबोच लिया।

बताया कि अजय महतो उर्फ मोछु उर्फ अंजन दा उर्फ टाइगर उर्फ बुधराम उर्फ श्रीकांत उर्फ बासुदेव के ऊपर 25 लाख का इनाम था। एसपी ने बताया कि नक्सली अजय महतो वर्ष 2005 के आसपास से नक्सल गतिविधियों में संलिप्त था। शुरूआत के दिनों में इन्हें दस्ता सदस्य बनाकर रखा गया और धीरे-धीरे संगठन को मजबूत करने के लिए लेवी वसूलने, पुलिस के साथ मुठभेड़ कर ज्यादा से ज्यादा हथियार, गोला, बारूद जमा करने की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके बाद नक्सल संगठन के अन्य दस्ता के संपर्क में आकर झुमरा पहाड़, लुगु पहाड़, सारण्डा जोन के घने जंगलों एवं पहाड़ी क्षेत्रों में हाईड आउट बनाकर मुख्य नक्सल घटनाओं को अंजाम देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके साथ ही इनका प्रभाव भी नक्सल संगठन में काफी बढ़ने लगा।

पूर्व में पारसनाथ क्षेत्र में एरिया कमांडर की भूमिका में भी सक्रिय रहा है। इसके द्वारा जघन्य हत्या एवं लेवी (रंगदारी) न देने के कारण एक आम नागरिक की हत्या कर शव को बीच चौराहे पर फेंकना, पुलिस मुखबिरी के शक में एक पति-पत्नी की गला रेतकर निर्मम हत्या करना, सुरक्षा बलों पर हमला कर कई जवानों की हत्या व कई जवानों को घायल करना, सरकारी संपत्तियों को नुकसान पहुँचाना, सड़क निर्माण में लगे वाहनों को जलाना एवं क्षतिग्रस्त करना एवं आर्थिक व बुनियादी ढांचे को आईडी विस्फोट में उड़ाने की कई जघन्य नक्सल घटनाओं को अंजाम दिया गया था।

फटे चक्के पर 15 किमी दौड़ी एंबुलेंस, खाली था ऑक्सीजन सिलेंडर, तड़पते मरीज की मौत

रांची, एजेंसी। पटमदा के जोड़सा गांव निवासी संतोष कुंभकार के अचानक बीमार पड़ने पर अस्पताल ले जाने के लिए 108 एंबुलेंस बुलाया गया। एंबुलेंस में सिलेंडर तो थे पर उसमें ऑक्सीजन नहीं थे। जबकि बीमार संतोष व्यक्ति को सांस लेने में परेशानी हो रही थी। बिना ऑक्सीजन के ही किसी तरह एंबुलेंस से अस्पताल लाया जा रहा था कि गांव का जर्जर सड़क होने के कारण रस्ते में ही एंबुलेंस का चक्का ब्लास्ट हो गया और रास्ते में ही उस व्यक्ति की मौत हो गई। पटमदा के जोड़सा गांव निवासी संतोष कुंभकार 65 वर्ष की तबीयत बिगड़ने पर उन्हें दोपहर करीब 2 बजे 108 एंबुलेंस से माचा सीएचसी अस्पताल ले जाया जा रहा था। परिजनों का कहना है कि मरीज का सांस फुल रहा था और उन्हें ऑक्सीजन की आवश्यकता थी, लेकिन एंबुलेंस में ऑक्सीजन उपलब्ध नहीं थे। इसी दौरान बीच रास्ते में एंबुलेंस का चक्का फट गया। मरीज की स्थिति देख चालक द्वारा वाहन को उसी अवस्था में 15 किलो मीटर अस्पताल तक पहुंचाया गया। इस बीच मरीज की हालत लगातार बिगड़ती गई और उन्होंने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिजनों में आक्रोश है। उनका आरोप है कि यदि एंबुलेंस में ऑक्सीजन की समुचित व्यवस्था होती और वाहन तकनीकी रूप से फिट होता, तो संभवतः मरीज की जान बचाई जा सकती थी। यह घटना 108 एंबुलेंस सेवा की कार्यप्रणाली, वाहनों के रखरखाव और आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की तैयारियों पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

धनबाद के आवासीय स्कूल में बवाल, बच्चों से मारपीट और टॉयलेट साफ कराने का आरोप

धनबाद, एजेंसी। सरायढेला थाना क्षेत्र स्थित बापूनगर में एक आवासीय स्कूल में शनिवार को उस समय हंगामा मच गया, जब बच्चों के साथ कथित मारपीट, अभद्र व्यवहार और शौचालय साफ कराने के आरोप सामने आए। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में अभिभावक विद्यालय पहुंच गए और प्रबंधन के खिलाफ जमकर नाराजगी जताई। परिजनों ने बच्चों की सुरक्षा, रहन-सहन और पढ़ाई की व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाते हुए कार्रवाई की मांग की। वहीं विद्यालय प्रबंधन की ओर से शिक्षक ने आरोपों पर अपना पक्ष रखा।

अभिभावकों का आरोप है कि आवासीय विद्यालय में बच्चों के साथ मारपीट की जाती है, उन्हें अपशब्द कहे जाते हैं और उनसे शौचालय की सफाई भी कराई जाती है। उनका कहना है कि इस तरह का व्यवहार बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास पर प्रतिकूल असर डाल रहा है। परिजनों का यह भी कहना है कि एक कमरे में 16 से 18 बच्चों को रखा जाता है। वहीं उसी कमरे में पढ़ाई की भी व्यवस्था है, जिससे बच्चों को न तो ठीक से रहने की सुविधा मिल रही है और न ही पढ़ाई का माहौल। उन्होंने इसे छात्रों के भविष्य के साथ गंभीर लापरवाही बताया।

अभिभावकों के मुताबिक, विद्यालय में बच्चों के साथ दुर्व्यवहार की शिकायतें पहले भी सामने आती रही हैं, लेकिन अब तक किसी जिम्मेदार व्यक्ति के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार, इस आवासीय विद्यालय में 120 से अधिक छात्र-छात्राएं रहकर पढ़ाई करते हैं।

नीट-2026 में आंगनबाड़ी सेविका के बेटे का कमाल, हासिल किया 3012 ऑल इंडिया रैंक

धनबाद, एजेंसी। जिला के डीएवी पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने नीट-2026 परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर स्कूल, अपने परिवार और जिले का नाम रोशन किया है। स्कूल के तीन छात्र राहुल राज, अदिति राज और श्रिस्ती कुमारी की उल्लेखनीय सफलता से पूरे स्कूल में खुशी का माहौल है।

तोपचांची प्रखंड के कामता गांव निवासी राहुल राज ने नीट-2026 में ऑल इंडिया रैंक 3012 तथा ओबीसी श्रेणी में 1136वीं रैंक हासिल कर शानदार सफलता प्राप्त की है। राहुल के पिता राजेंद्र प्रसाद महतो झारखंड पुलिस में बोकारो में कार्यरत हैं जबकि उनकी माता आंगनबाड़ी सेविका हैं। साधारण परिवार से आने वाले राहुल ने अपनी मेहनत, अनुशासन और दृढ़ संकल्प के दम पर यह मुकाम हासिल किया है।

वहीं अदिति राज ने 583 अंक प्राप्त करते हुए 99।15 पर्सेंटाइल हासिल किया है। उनकी ऑल इंडिया रैंक 16805 तथा कैटेगरी रैंक 6468 रही जबकि दूसरी ओर श्रिस्ती कुमारी ने 557 अंक और 98।38 पर्सेंटाइल के साथ ऑल इंडिया रैंक 32154 तथा कैटेगरी रैंक 16805 प्राप्त की। दोनों छात्राओं ने भी अपने शानदार प्रदर्शन से स्कूल का गौरव बढ़ाया है।

तीनों विद्यार्थियों की सफलता पर डीएवी पब्लिक स्कूल, कोयला नगर की प्राचार्य डॉ। डीसी बनर्जी ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए कहा कि स्कूल को अपने विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर गर्व है। उन्होंने विशेष रूप से राहुल राज का उल्लेख करते हुए कहा कि वह शुरू से ही अनुशासनप्रिय, मेहनती और प्रतिभाशाली छात्र रहा है तथा सभी शिक्षक उसकी मेहनत और व्यवहार की प्रशंसा करते हैं।

उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि राहुल आगे चलकर एक कुशल डॉक्टर बनेगा और समाज की निस्वार्थ सेवा करेगा। चिकित्सा ऐसा पेशा है, जिसके माध्यम से सीधे तौर पर आम लोगों की मदद की जा सकती है। उन्होंने आशा जताई कि राहुल भविष्य में भी अपने माता-पिता और विद्यालय का नाम रोशन करेगा, साथ ही उन्होंने अदिति राज और श्रिस्ती कुमारी की सफलता की भी सराहना करते हुए कहा कि दोनों छात्राओं ने अपनी मेहनत और लगन से विद्यालय का गौरव बढ़ाया है और वे भी चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देंगी। वहीं राहुल के पिता राजेंद्र प्रसाद महतो ने कहा कि राहुल शुरू से ही पढ़ाई के प्रति गंभीर और बेहद मेहनती रहा है। बचपन से ही उसका सपना डॉक्टर बनने का था और उसी लक्ष्य को लेकर उसने लगातार मेहनत की। आज उसकी इस सफलता के साथ न सिर्फ उसका, बल्कि पूरे परिवार का वर्षों पुराना सपना साकार होता नजर आ रहा है। तीनों विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर शिक्षकों, परिजनों, मित्रों और क्षेत्रवासियों ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उनकी सफलता ने यह साबित कर दिया है कि अनुशासन, कठिन परिश्रम और दृढ़ संकल्प के बल पर किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

नीति आयोग ने इन्वेस्टमेंट फ्रेंडलीनेस इंडेक्स-2026 जारी किया, 17 बड़े राज्यों में झारखंड 16वें स्थान पर

रांची, एजेंसी। खनिज संपदा और औद्योगिक संभावनाओं से समृद्ध झारखंड और बिहार को निवेश आकर्षित करने के मामले में 'इमर्जिंग' राज्यों की श्रेणी में रखा गया है। हालांकि औद्योगिक संभावनाओं के बावजूद ये दोनों राज्य बड़े राज्यों की तुलना में अभी भी पीछे हैं। नीति आयोग ने 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य के तहत पहली बार इन्वेस्टमेंट फ्रेंडलीनेस इंडेक्स-2026 जारी किया है। इसमें 17 बड़े राज्यों की श्रेणी में झारखंड को 16वां स्थान मिला है। राज्य का कुल स्कोर 41।3 रहा। बड़े राज्यों में केवल बिहार ही झारखंड से नीचे है। देश के 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को मिलाकर देखें, तो झारखंड का स्थान 25वां है।

रिपोर्ट के अनुसार झारखंड की सबसे बड़ी ताकत प्राकृतिक संसाधनों की उपलब्धता और उसकी वित्तीय स्थिति है। राज्य को कोयला और लिग्नाइट उत्पादन के बेहतर प्रदर्शन का लाभ मिला है। ब्याज भुगतान का बोझ अपेक्षाकृत कम होने के कारण राज्य की वित्तीय स्थिति को भी सकारात्मक माना गया है। यही दो क्षेत्र राज्य के निवेश स्कोर को संभाले हुए हैं। इसके विपरीत निवेशकों के लिए अनुकूल कारोबारी माहौल तैयार करने के मामले में झारखंड पिछड़ गया है। रिपोर्ट में बिजनेस क्लाइमेट को राज्य की सबसे कमजोर कड़ी बताया गया है। विशेष रूप से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआइ) का बेहद कम होना चिंता का विषय है। वित्त वर्ष 2023-24 में राज्य में केवल 0.06 मिलियन डॉलर का एफडीआइ आया, जो निवेश आकर्षित करने की कमजोर क्षमता को दर्शाता है। रिपोर्ट के मुताबिक, झारखंड की अर्थव्यवस्था में उद्योग की हिस्सेदारी 44.7 प्रतिशत, सेवा क्षेत्र की 50 प्रतिशत और कृषि की 5.3 प्रतिशत है। राज्य के प्रमुख उद्योगों में बेसिक मेटल, कोक और रिफाइंड पेट्रोलियम उत्पाद शामिल हैं। इसके बावजूद निवेशकों का भरोसा बढ़ाने, उद्योगों को तेजी से मंजूरी देने, बेहतर औद्योगिक माहौल तैयार करने और विदेशी निवेश आकर्षित करने की दिशा में अभी काफी काम करने की जरूरत है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि झारखंड को निवेश आकर्षित करने के लिए सबसे अधिक सुधार बिजनेस क्लाइमेट में करना होगा। खासकर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआइ) बढ़ाने की दिशा में प्रभावी प्रयास जरूरी हैं। वित्त वर्ष 2023-24 में राज्य में केवल 0.06 मिलियन डॉलर का एफडीआइ दर्ज किया गया। निवेशकों के लिए उद्योग स्थापित करने का माहौल अधिक प्रतिस्पर्धी और अनुकूल बनाने की आवश्यकता है।

प्राइड मंथ में ट्रांसजेंडर समुदाय ने उठाई अधिकारों की आवाज, बोर्ड गठन समेत कई मांगें रखीं

रांची, एजेंसी। अपने ऐतिहासिक संघर्ष और अधिकारों के प्रति जागरुकता को लेकर जून महीने में मनाए जाने वाले प्राइड मंथ के तहत राजधानी रांची में ट्रांसजेंडर समुदाय के लोगों ने अपनी आवाज बुलंद की। सड़क पर उतरकर ट्रांसजेंडर समुदाय के सदस्यों ने खुशियां जाहिर कीं और समाज के लिए समान अधिकार, सम्मान और सरकारी सुविधाओं की मांग को लेकर अपनी बात रखीं।

प्राइड मंथ के दौरान ट्रांसजेंडर समुदाय ने झारखंड सरकार के सामने कई महत्वपूर्ण मांगें रखीं। इनमें सबसे प्रमुख मांग ट्रांसजेंडर बोर्ड के गठन की है। समुदाय के लोगों का कहना है कि लंबे समय से बोर्ड और आयोग गठन की मांग की जा रही है, लेकिन अब तक इस दिशा में ठोस पहल नहीं हुई है।

ट्रांसजेंडर समुदाय के सदस्यों का कहना है कि उन्हें आज भी कई सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। कई लोगों को आवास योजना सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं से वंचित रहना पड़ रहा है। उनका आरोप है कि वे अपनी समस्याओं को लेकर लगातार अधिकारियों से मिलते रहे हैं, लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिला। नगर निगम और जिला प्रशासन के अधिकारियों की ओर से समाधान का भरोसा दिया जाता है, लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति में कोई बड़ा बदलाव नहीं आया है।

समुदाय के लोगों ने कहा कि अधिकारों और सम्मान के लिए उन्हें बार-बार सड़क पर उतरकर अपनी मांग उठानी पड़ रही है। उनका कहना है कि ट्रांसजेंडर समुदाय भी समाज का हिस्सा है और उन्हें भी शिक्षा, रोजगार, आवास, स्वास्थ्य और सरकारी योजनाओं का समान लाभ मिलना चाहिए।

ट्रांसजेंडर समुदाय ने सरकार से मांग की है कि जल्द से जल्द ट्रांसजेंडर बोर्ड या आयोग का गठन किया जाए, ताकि समुदाय की समस्याओं को सुनने और समाधान करने के लिए एक मजबूत व्यवस्था बन सके। इसके अलावा सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए विशेष पहल करने की भी मांग की गई है।

समुदाय के लोगों का कहना है कि केवल घोषणाओं से बदलाव नहीं आएगा, बल्कि धरातल पर योजनाओं को लागू करने की जरूरत है। लंबे समय से उठ रही मांगों पर अब सरकार को गंभीरता से निर्णय लेना चाहिए, ताकि ट्रांसजेंडर समुदाय को भी समाज में बराबरी का अधिकार और सम्मान मिल सके।

रांची नगर निगम सक्रियः सामुदायिक भवनों के सौंदर्यीकरण

वेंडरों के पुनर्वास और डूरंड कप की तैयारियां तेज

रांची, एजेंसी। रांची नगर निगम शहर की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने को लेकर लगातार काम कर रहा है। इसी क्रम में नगर आयुक्त सुशांत गौरव की अध्यक्षता में सामुदायिक भवनों के रखरखाव एवं सौंदर्यीकरण, मोरहाबादी मैदान से हटाए गए वेंडरों के पुनर्वास और डूरंड कप की तैयारियों को लेकर अलग-अलग समीक्षा और निरीक्षण किया गया।

इस बैठक में निगम के पदाधिकारियों, अभियंत्रण शाखा और हॉर्टिकल्चर शाखा की टीम ने हिस्सा लिया। नगर आयुक्त ने निगम स्वामित्व वाले सामुदायिक भवनों की स्थिति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि जिन भवनों में रंग-रोगन, मरम्मत और मूलभूत सुविधाओं की जरूरत है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी सामुदायिक भवन साफ-सुथरे, आकर्षक और नागरिकों के उपयोग के योग्य होने चाहिए।

उन्होंने भवनों को अतिक्रमण मुक्त रखने, लंबित सिविल कार्यों को जल्द पूरा करने, वाटरप्रूफिंग, बिजली, प्रकाश व्यवस्था, शौचालय और पेयजल जैसी सुविधाओं को मजबूत करने का निर्देश दिया। साथ ही भवनों के आसपास हरियाली विकसित करने को भी कहा गया।

वहीं मोरहाबादी मैदान से हटाए गए वेंडरों के पुनर्वास की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। नगर निगम ने टैगोर हिल के समीप करीब 45 डिसमिल जमीन पर वेंडरों को व्यवस्थित रूप से बसाया। निगम की टीम ने वेंडरों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और उन्हें नए स्थान पर व्यवसाय संचालित करने की सुविधा उपलब्ध कराई। नगर निगम का कहना है कि उद्देश्य किसी भी वेंडर की आजीविका प्रभावित करना नहीं, बल्कि उन्हें सुरक्षित और व्यवस्थित स्थान उपलब्ध कराना है। इससे शहर में यातायात व्यवस्था और स्वच्छता व्यवस्था बेहतर होगी।

इसके अलावा एशिया के प्रतिष्ठित फुटबॉल टूर्नामेंट डूरंड कप के 135वें संस्करण की तैयारियों को लेकर नगर आयुक्त ने भगवान बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम और आसपास के क्षेत्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने स्टेडियम की साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, पार्किंग और अन्य सुविधाओं की समीक्षा की।

नगर आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों, दर्शकों और आम लोगों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। इसके लिए विशेष सफाई व्यवस्था, पार्किंग प्रबंधन, पेड़ों की छंटाई और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के निर्देश दिए गए।

नगर आयुक्त सुशांत गौरव का कहना है कि शहर में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना, नागरिकों को व्यवस्थित व्यवस्था देना और बड़े आयोजनों को सफल बनाना निगम की प्राथमिकता है।

डोरंडा कॉलेज के बाहर छात्रों का प्रदर्शन, मानव श्रृंखला बनाकर सड़क जाम

रांची, एजेंसी। राजधानी के डोरंडा कॉलेज में छात्रों ने विभिन्न मांगों को लेकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं कॉलेज के मुख्य गेट के बाहर एकत्र हुए और मानव श्रृंखला बनाकर सड़क जाम कर दी। इस दौरान छात्रों ने कॉलेज प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और अपनी नाराजगी जाहिर की। प्रदर्शन के कारण कॉलेज के बाहर सड़क पर कुछ समय के लिए यातायात पूरी तरह प्रभावित रहा।

प्रदर्शन कर रहे छात्रों का आरोप है कि कॉलेज प्रशासन ने स्नातक (यूजी) और स्नातकोत्तर (पीजी) पाठ्यक्रमों में सीटों की संख्या कम कर दी है, जिससे बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को नामांकन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। छात्रों का कहना है कि उच्च शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक कई अभ्यर्थी सीटें कम होने के कारण प्रवेश से वंचित हो रहे हैं।

छात्रों ने यह भी आरोप लगाया कि कॉलेज प्रशासन ने चौथे सेमेस्टर झकी फीस तो जमा करा ली है, लेकिन अब तक परीक्षा आयोजित नहीं कराई गई है। उनका कहना है कि परीक्षा में लगातार हो रही देरी के कारण पूरा शैक्षणिक सत्र प्रभावित हो रहा है। इससे छात्रों का भविष्य और आगे की पढ़ाई दोनों प्रभावित हो रहे हैं। छात्रों ने मांग की है कि जल्द से जल्द परीक्षा की तिथि घोषित कर परीक्षा आयोजित कराई जाए।

प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने कहा कि यदि उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। उनका कहना था कि कॉलेज प्रशासन विद्यार्थियों की समस्याओं को गंभीरता से नहीं ले रहा है, जिसके कारण उन्हें सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करना पड़ रहा है।

सड़क जाम की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और छात्रों को समझाने का प्रयास किया। पुलिस अधिकारियों ने छात्रों से बातचीत कर शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रखने की अपील की। काफी देर तक चली वार्ता के बाद यातायात धीरे-धीरे सामान्य कराया गया।

छात्रों ने मांग की है कि यूजी और पीजी की सीटों में कटौती का फैसला वापस लिया जाए, चौथे सेमेस्टर की परीक्षा शीघ्र कराई जाए और शैक्षणिक सत्र को नियमित करने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। उनका कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

अब प्रोफेसर नहीं कर सकेंगे राजनीति, विश्वविद्यालयों से अलग होंगे डिग्री कॉलेज

पटना, एजेंसी। बिहार में उच्च शिक्षा व्यवस्था जल्द बदल सकती है। राज्य सरकार मानसून सत्र में नया उच्च शिक्षा विधेयक लाने की तैयारी में है। इस कानून के लागू होने के बाद डिग्री कॉलेजों और विश्वविद्यालयों की व्यवस्था अलग-अलग होगी। साथ ही शिक्षकों के लिए भी कई नए नियम लागू किए जाएंगे। नए विधेयक में कॉलेज शिक्षकों के राजनीतिक गतिविधियों में शामिल होने पर रोक लगाने का प्रस्ताव है। अगर यह कानून लागू होता है तो शिक्षक किसी राजनीतिक दल या विचारधारा का सार्वजनिक समर्थन, प्रचार या लेखन नहीं कर सकेंगे। सरकार का प्रस्ताव है कि राज्य के करीब 481 सरकारी डिग्री कॉलेजों को विश्वविद्यालयों के प्रशासनिक नियंत्रण से हटाकर सीधे उच्च शिक्षा विभाग के अधीन किया जाए। अभी ये कॉलेज राज्य के 12 विश्वविद्यालयों के तहत संचालित होते हैं। नया कानून लागू होने के बाद इनका संचालन, प्रशासन और अन्य फैसले सीधे विभाग करेगा।

बीपीएससी 72वीं की संयुक्त प्रारंभिक परीक्षा स्थगित, 26 जुलाई को नहीं होगी परीक्षा

पटना, एजेंसी। बिहार लोक सेवा आयोग यानी बीपीएससी ने एकीकृत 72वीं संयुक्त (प्रारंभिक) प्रतियोगिता परीक्षा को फिलहाल स्थगित कर दिया है। आयोग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार रविवार, 26 जुलाई 2026 को आयोजित होने वाली प्रारंभिक परीक्षा अब निर्धारित तिथि पर नहीं होगी। परीक्षा स्थगित किए जाने के पीछे आयोग ने 'अपरिहार्य कारण' बताया है। नई परीक्षा तिथि की घोषणा बाद में अलग से की जाएगी। बीपीएससी 72वीं की संयुक्त प्रारंभिक परीक्षा स्थगित : बिहार लोक सेवा आयोग के परीक्षा नियंत्रक राजेश कुमार सिंह की ओर से जारी आवश्यक सूचना में कहा गया है कि एकीकृत 72वीं संयुक्त प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा, जो 26 जुलाई 2026 को प्रस्तावित थी, उसे अपरिहार्य कारणों से स्थगित किया जाता है। उन्होंने बताया कि परीक्षा के आयोजन की नई तिथि की सूचना आयोग बाद में जारी करेगा। हालांकि, अधिसूचना में परीक्षा स्थगित किए जाने के कारणों का विस्तृत उल्लेख नहीं किया गया है।

गौरतलब है कि बीपीएससी की 72वीं संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा राज्य की सबसे बड़ी भर्ती परीक्षाओं में शामिल है। इस भर्ती अभियान के माध्यम से राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में 1186 पदों पर नियुक्तियां की जानी हैं। परीक्षा के लिए बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है और वह लंबे समय से प्रारंभिक परीक्षा का इंतजार कर रहे थे। ऐसे में परीक्षा स्थगित होने से अभ्यर्थियों को नई तिथि का इंतजार करना होगा। आयोग की अधिसूचना जारी होने के बाद अभ्यर्थियों के बीच नई परीक्षा तिथि को लेकर चर्चा तेज हो गई है। हालांकि बीपीएससी ने स्पष्ट किया है कि संशोधित परीक्षा कार्यक्रम जल्द ही जारी किया जाएगा। अभ्यर्थियों को आयोग की आधिकारिक वेबसाइट और आधिकारिक सूचना पर नजर बनाए रखने की सलाह दी गई है। अब सभी अभ्यर्थियों की निगाहें आयोग की अगली अधिसूचना पर टिकी हैं, जिसमें प्रारंभिक परीक्षा की नई तिथि और आगे की प्रक्रिया की जानकारी साझा की जाएगी।

हनीट्रैप में फंसाया, एआई डीपफैक से किया ब्लैकमेल

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। बिहार के मुजफ्फरपुर में हनीट्रैप और रंगदारी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पटना के एक होटल कारोबारी को फर्जी एडिटेड तस्वीरों के जरिए ब्लैकमेल कर अपराधियों ने एक करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी। बदनामी के डर से पीड़ित कारोबारी ने अपराधियों को अबतक 97 लाख रुपये दे दिये थे। अखिरी बार बताए गए स्थान पर 20 लाख रुपये की किस्त में ट्रैकर लगाकर दी गई थी। अहियापुर थाना क्षेत्र में यह राशि दी गई थी। बाद में कारोबारी ने गुप्त सूचना पुलिस को दे दी। मुजफ्फरपुर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए अहियापुर थाना क्षेत्र के एक मकान से पूरे 20 लाख रुपये बरामद कर लिए। वहीं बरामद राशि की सूचना आयकर विभाग को भी दे दी गई है। एसएसपी कांतेश कुमार मिश्रा के निर्देश पर सिटी एसपी मोहिबुल्लाह अंसारी के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने छापेमारी कर रंगदारी की राशि सफलतापूर्वक वसूल की। पुलिस पूरे मामले की गहन जांच कर रही है। यह पता लगाया जा रहा है कि हनीट्रैप और ब्लैकमेलिंग की पूरी साजिश किसने और कैसे रची। कारोबारी की पहचान सुरक्षा कारणों से गुप्त रखी गई है। टाउन डीएसपी विनीता सिन्हा ने बताया कि प्रारंभिक जांच में अभिषेक नामक युवक और उसके साथियों की संलिप्तता सामने आई है। पीड़ित का लिखित आवेदन मिलने के बाद अहियापुर थाने में प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है। पीड़ित से आरोपियों ने अबतक 97 लाख रुपये की उगाही कर ली थी।

202 करोड़ की योजना फेल

बक्सर के तीन गांव के लोग पी रहे आर्सेनिक युक्त पानी

बक्सर, एजेंसी। महादलित महिला कलावती नट बताती हैं 'सरकार ने हर घर नल का जल देने की बात कही थी, लेकिन हमारे गांव में आज तक नल ही नहीं लगा है। महीनों से ठीक से नहाए नहीं हैं। कपड़े भी नहीं धो पाए हैं।' यह दर्द सिर्फ कलावती का नहीं, बल्कि बक्सर जिले के सिमरी प्रखंड अंतर्गत पांडेयपुर गांव के नट समाज के करीब 80 परिवारों और गांव के लगभग 1,400 लोगों का है।

ग्रामीण त्रिवेणी दुबे बताते हैं, 'पानी के लिए कई बार आवेदन दिया गया है। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से गुहार लगाई गई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। अब ग्रामीणों से कहा जा रहा है कि अपने पैसे से पाइप खरीदिए और लगाने का खर्च दीजिए, तभी कनेक्शन मिलेगा।'

कब मिलेगी आर्सेनिक युक्त पानी से मुक्ति: बता दें कि सरकारी आंकड़ों और जमीनी हकीकत में यहां बड़ा अंतर पाया गया है। फाइलों में 202 करोड़ 70 लाख रुपये की लागत से बनी जलापूर्ति परियोजना पूरी तरह सफल है। दूसरी तरफ बक्सर जिले के सिमरी

प्रखंड अंतर्गत पांडेयपुर गांव के लोग आज भी बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं। जिस आबादी को आर्सेनिक मुक्त शुद्ध पेयजल का सपना दिखाया गया था, वह आज भी दूषित चापाकल का पानी पीने को मजबूर है।

ग्रामीण महिला मंगरी ने बताया कि पूरी बस्ती में सिर्फ एक चापाकल है, जिससे निकलने वाला पानी कुछ ही देर में पीला पड़ जाता है। इसी पानी से खाना बनता है, बच्चे वही पानी पीते हैं और उसी से किसी तरह जीवन चल रहा है।

2025 में उद्घाटन: 15 फरवरी 2025 को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने केशवपुर में 202 करोड़ 70 लाख रुपये की लागत से बने वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का उद्घाटन किया था। दावा किया गया कि सिमरी प्रखंड की 15 पंचायतों और बक्सर सदर की 5 पंचायतों के कुल 51 गांवों के 214 वार्डों में रहने वाले लगभग 36,760 परिवारों तक गंगा का शुद्ध जल पहुंचाया जाएगा। ग्रामीणों का आरोप है कि विभाग आज भी दावा कर रहा है कि सभी क्षेत्रों में नियमित जलापूर्ति हो रही है और लोग इस योजना से खुश हैं।

क्या कहते है प्लांट कर्मी : केशवपुर वाटर प्लांट के केमिस्ट रियाजुद्दीन अंसारी ने बताया, 2009 में तत्कालीन बिहार सरकार के पीएचईडी मंत्री अश्विनी कुमार चौबे 110 करोड़ की लागत से इस योजना का शिलान्यास किया था। ठेकेदार के भाग जाने के बाद पुनः 102 करोड़ का री टेंडर हुआ है। वर्तमान में नल के जल का कनेक्शन 36 हजार से अधिक दे दिया गया है, जिससे लोगों के जीवन मे बड़ा बदलाव आया है।

एक चापाकल, उसी पर 80 परिवारों की जिंदगी निर्भर थी। विश्व के सबसे आर्सेनिक प्रभावित वाले इस इलाके में आर्सेनिक युक्त पानी पीने का असर लोगो के शरीर पर साफ दिखाई दे रहा था।

16 साल में दोगुनी लागत: इस परियोजना की शुरुआत वर्ष 2009 में हुई थी। हैदराबाद की एक कंपनी को करीब 100 करोड़ रुपये में काम मिला, लेकिन कंपनी बिना काम पूरा किए ही रकम लेकर गायब हो गई। इसके बाद दोबारा टेंडर हुआ और 16 वर्षों की देरी के बाद लागत बढ़कर 202 करोड़ 70 लाख रुपये पहुंच गई। 2025 में वाटर प्लांट का उद्घाटन तो हुआ लेकिन जिन लोगों के लिए यह योजना बनी थी, उनके घरों तक आज भी पानी नहीं पहुंचा है।

35-40 लोगों से भरी सवार नाव पलटी

सीतामढ़ी, एजेंसी। बिहार के सीतामढ़ी में नाव पलटने की घटना सामने आयी है। रुन्नीसैदपुर प्रखंड स्थित बागमती नदी के खड़का घाट पर रविवार को एक बड़ा नाव हादसा टल गया। क्षमता से अधिक करीब 35 से 40 यात्रियों को लेकर नदी पार कर रही एक नाव बीच धारा में अचानक असंतुलित होकर पलट गई। नाव पलटते ही यात्रियों में चीख-पुकार मच गई और घाट पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

हादसे के तुरंत बाद घाट पर मौजूद स्थानीय युवकों और ग्रामीणों ने बिना समय गंवाए नदी में छलांग लगा दी। कई लोग तैरकर किनारे पहुंचे, जबकि तैरना न जानने वाले यात्रियों को ग्रामीणों ने सुरक्षित बाहर निकाला। राहत की बात यह रही कि स्थानीय लोगों की तत्परता और सूझबूझ के कारण इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। खड़का घाट बागमती नदी के दोनों किनारों के गांवों को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है। पुल नहीं होने की वजह से बड़ी संख्या में ग्रामीण, किसान, छात्र और व्यापारी प्रतिदिन नाव से आवागमन करते हैं। पर्याप्त संख्या में बड़ी और सुरक्षित नावें

उपलब्ध न होने के कारण नाविक अधिक कमाई के चक्कर में अक्सर ओवरलोडिंग करते हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि खड़का घाट पर सुरक्षा मानकों की अनदेखी को लेकर कई बार प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराया गया है। इसके बावजूद नावों पर न तो यात्रियों की संख्या की नियमित निगरानी होती है और न ही कोई सुरक्षा उपकरण रहते हैं। समय रहते व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ, तो भविष्य में बड़ा हादसा हो सकता है।

इस हादसे के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने प्रशासन से सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है। उनका कहना है कि खड़का घाट पर बड़ी क्षमता वाली सुरक्षित नावें चलाई जाएं। साथ ही, ओवरलोडिंग करने वाले चालकों पर सख्त कार्रवाई हो।

गाजियाबाद से आए दूल्हा का सपना चूर

शादी से पहले हुई जमकर शॉपिंग, विदाई के समय दुल्हन फरार

गया, एजेंसी। गया जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के गांधी मोहल्ले में शादी के कुछ घंटे बाद ही दुल्हन के फरार हो जाने का मामला सामने आया है। यूपी के गाजियाबाद से शादी रचाने पहुंचा दूल्हा ठगी का शिकार हो गया। दुल्हन ने सात फेरे लेने और मांग भरवाने के बाद सारे जेवरात तथा सामान समेटकर भाग निकली।

शादी से पहले हुई जमकर शॉपिंग: शादी तय होने के बाद दुल्हन ने दूल्हे के साथ मिलकर महंगी शॉपिंग की। दूल्हे पक्ष ने दुल्हन के लिए लाखों रुपये के सोने-चांदी के जेवरात खरीदे। सोने का मंगलसूत्र, अंगूठी, चांदी के पायल और बिछिया सहित महंगे कपड़े और अन्य सामान दुल्हन को दिए गए। शादी की रस्में गांधी नगर मोहल्ले में पूरी हुई।

विदाई के समय गायब हुई दुल्हन: विधि-विधान से शादी संपन्न होने के बाद जब विदाई की बारी आई तो दुल्हन गायब थी। दूल्हा रविंद्र कुमार और उनके परिजन हैरान रह गए। खोजबीन करने पर पता चला कि दुल्हन ने सारे जेवरात और दिए गए सामान लेकर फरार हो गई है। इस घटना से दूल्हे पक्ष की खुशियां पल भर में गम में बदल गई।

बिचौलिए की भूमिका संदिग्ध: शादी तय कराने में गाजियाबाद के खोड़ा कॉलोनी निवासी दूल्हा रविंद्र कुमार के लिए शकील नाम के बिचौलिए ने मध्यस्थता की थी। शादी के बाद शकील भी मौके से भाग निकला। दूल्हे पक्ष को अब संदेह है कि यह एक सुनियोजित ठगी का हिस्सा है। बिचौलिए ने शादी कराने के एवज में भी पैसे लिए थे।

कर्ज लेकर की गई शादी, परिवार परेशान: दूल्हे के भाई धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है। शादी कर्ज लेकर की गई थी। आभूषण, कपड़े और अन्य खर्चों पर लाखों रुपये खर्च हुए। दुल्हन के फरार होने के बाद पूरा परिवार निराश है। दूल्हा पक्ष अब खाली हाथ गाजियाबाद लौट गये हैं।

'कर्ज लेकर शादी हुई थी। घर के हालात अच्छे नहीं है। बिचौलियों ने भी शादी कराने के एवज में रुपये लिए थे। शादी को लेकर आभूषण खरीदे गए। कपड़ों की जमकर शॉपिंग हुई। शादी के बाद ठगी का एहसास हुआ। पुलिस ने भी बहुत ज्यादा सहयोग नहीं किया।' **-धर्मेंद्र कुमार**, दूल्हे के भाई

पुलिस ने दो लोगों को लिया हिरासत में: मुफस्सिल थाने में दूल्हे पक्ष ने प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। लुटेरी दुल्हन और मुख्य बिचौलिए शकील की तलाश जारी है। थानाध्यक्ष देवराज इंद्र ने बताया कि पूछताछ के आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगी।

एक ही परिवार के 3 सदस्यों ने की आत्महत्या, 4 साल के बच्चे को भी जहर देने की कोशिश

नालंदा, एजेंसी। बिहार के नालंदा जिले के चंडी थाना क्षेत्र अंतर्गत विशुनपुर गांव में पारिवारिक कलह ने खौफनाक रूप ले लिया। ससुर और बहू के बीच कथित अवैध संबंध को लेकर हुए विवाद के बाद एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई। पूरे मामले ने गांव में सनसनी फैला दी है।

मृतकों की पहचान: मृतकों में 62 वर्षीय दिलचंद्र तांती (ससुर), उनकी 30 वर्षीय बहू गौरी देवी और गौरी देवी के पति रंजीत कुमार शामिल हैं। दिलचंद्र तांती ने फंदे से लटककर आत्महत्या की, जबकि गौरी देवी और रंजीत कुमार ने जहर खा लिया। तीनों की मौत इलाज के दौरान हो गई।

क्या है घटना का कारण!: हिलसा डीएसपी सुनील कुमार सिंह के अनुसार, यह पूरी घटना ससुर दिलचंद्र तांती और बहू गौरी देवी के बीच कथित अवैध संबंध से जुड़ी है। बेटे रंजीत कुमार को इस बात की जानकारी होने पर पिता से विवाद हो गया। आक्रोश में रंजीत कुमार ने खुद जहर खा लिया और अपनी पत्नी गौरी देवी को भी

जहर खिला दिया।

'यह पूरी घटना ससुर और बहू के बीच अवैध संबंध से जुड़ी हुई बताई जा रही है। इसी बात को लेकर बेटे का अपने पिता से विवाद हुआ था, जिसके बाद आक्रोशित होकर बेटे ने खुद भी जहर खा लिया और अपनी पत्नी को भी जहर खिला दिया। वहीं पिता ने भी आत्महत्या कर ली

क्या कहती है मृतक की पुत्री: घटना के संबंध में मृतक की पुत्री फूलो देवी ने कहा 'मामला दोपहर का है, जब परिवार के अन्य लोग खेत में धान की फसल लगा रहे थे। उसी दौरान बच्चों ने आकर बताया की घर पर पिता, भाभी और भाई ने आत्महत्या कर ली है।'

परिवार के अन्य सदस्यों की स्थिति: दिलचंद्र तांती के दूसरे पुत्र पुरुषोत्तम कुमार ने भी पत्नी के साथ जहर खा लिया। दोनों का इलाज चल रहा है। घटना दोपहर के समय हुई, जिसकी जानकारी घर के बच्चों ने खेत में काम कर रहे अन्य सदस्यों को दी। इसके बाद पूरे गांव में हड़कंप मच गया।

तत्काल पहुंचाया गया अस्पताल: स्थानीय लोगों ने तुरंत सभी घायलों को चंडी रेफरल अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने दिलचंद्र तांती और गौरी देवी को मृत घोषित कर दिया। बाद में रंजीत कुमार की भी इलाज के दौरान मौत हो गई।

मेजर जनरल जितेंद्र सिंह ने संभाली झारखंड-बिहार सब एरिया की कमान, 10वें जनरल ऑफिसर कमांडिंग बने

पटना, एजेंसी। पटना दानापुर स्थित भारतीय सेना के लिए गौरवपूर्ण क्षण में विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित मेजर जनरल जितेंद्र सिंह ने 18 जुलाई 2026 को झारखंड एवं बिहार सब एरिया के 10वें जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया। उनकी इस नियुक्ति से क्षेत्र की सैन्य तैयारियों को नई ऊर्जा मिलने की उम्मीद है।

जितेंद्र सिंह के पास समृद्ध सैन्य अनुभव: मेजर जनरल जितेंद्र सिंह सैनिक स्कूल, रीवा तथा प्रतिष्ठित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए), खड़कवासला के पूर्व छात्र हैं। भारतीय सेना की कोर ऑफ इंजीनियर्स में कमीशन प्राप्त करने के बाद उन्होंने लगभग तीन दशक लंबे सैन्य करियर में अनेक महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया है।

विभिन्न भूमिकाओं में दिखाई कुशलता: उन्होंने ऑपरेशनल कमान, सामरिक योजना, क्षमता विकास और विभिन्न नेतृत्व भूमिकाओं में अपनी कुशलता साबित की है। सेना के विभिन्न स्तरों पर कमान संभालने का उनका व्यापक अनुभव उन्हें भारतीय सेना के दूरदर्शी अधिकारियों में शामिल करता है।

पूर्व सैनिकों के कल्याण में योगदान: मेजर जनरल जितेंद्र सिंह ने एक्स-सर्विसमैन कॉन्ट्रिब्यूटरी हेल्थ स्कीम के उप प्रबंध निदेशक के रूप में भी उल्लेखनीय सेवाएं दी हैं। इस दौरान उन्होंने पूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों के स्वास्थ्य और कल्याण से जुड़े कई महत्वपूर्ण सुधार किए तथा इस क्षेत्र में गहन अनुभव प्राप्त किया।

मेजर जनरल जितेंद्र सिंह की शैक्षणिक उपलब्धियां: वे केवल एक कुशल सैन्य अधिकारी ही नहीं, बल्कि एक उत्कृष्ट शिक्षाविद् भी हैं। संघर्ष प्रबंधन, संघर्ष समाधान और सामरिक नेतृत्व जैसे विषयों में उन्होंने विशेष अध्ययन किया है और उल्लेखनीय शैक्षणिक उपलब्धियां हासिल की हैं।

टीम भावना का आह्वान: कार्यभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने सभी अधिकारियों, जूनियर कमीशंड अधिकारियों, अन्य रैंकों तथा असैन्य कर्मचारियों को संबोधित करते हुए राष्ट्र सेवा के प्रति पूर्ण समर्पण, अनुशासन और पेशेवर उत्कृष्टता के साथ कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना की गौरवशाली परंपराओं को आगे बढ़ाते हुए टीम भावना, कर्तव्यनिष्ठा और उत्कृष्ट प्रदर्शन के माध्यम से देश सेवा सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी।

क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि: मेजर जनरल जितेंद्र सिंह की नियुक्ति को झारखंड एवं बिहार सब एरिया के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। उनके समृद्ध अनुभव और दूरदर्शी नेतृत्व से न केवल क्षेत्र की ऑपरेशनल क्षमता और प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूती मिलेगी, बल्कि पूर्व सैनिकों एवं उनके परिवारों के कल्याण से जुड़े कार्यों को भी नई दिशा और गति प्राप्त होगी।

बिहार में बेखौफ बदमाशों का तांडव, होटल कारोबारियों पर फायरिंग कर लूट

भोजपुर, एजेंसी। बिहार के भोजपुर जिले में अपराधियों के बढ़ते हौसले ने एक बार फिर पुलिस की चुनौती बढ़ा दी है। कोइलवर थाना क्षेत्र में आधी रात आधा दर्जन नकाबपोश बदमाशों ने तीन होटल कारोबारियों पर घात लगाकर जानलेवा हमला कर दिया। बदमाशों ने चार राउंड फायरिंग की और गले से सोने की चेन तथा नकदी से भरा झोला लूटकर सोन नदी के रास्ते फरार हो गए। गनीमत रही कि तीनों कारोबारी बाल-बाल बच गए।

पहले से घात लगाए बैठे थे बदमाश : घटना गुरुवार और शुक्रवार की मध्यरात्रि करीब 11:45 बजे की है। अतिथि रेस्टोरेंट एंड बैंक्वेट हॉल के संचालक अरविंद कुमार अपने पार्टनर अभिषेक कुमार और बबलू गांधी के साथ रोज की तरह होटल बंद कर बाइक से घर लौट रहे थे। जैसे ही वे कोइलवर नगर पंचायत के वार्ड संख्या-8 स्थित शिव मंदिर के समीप पहुंचे, पहले से घात लगाए बैठे करीब आधा दर्जन अपराधियों ने दोनों बाइकों को घेर लिया।

गमछा हटाने की कोशिश की तो बरसा दी गोलियां : पीड़ित अरविंद कुमार के अनुसार, सभी बदमाशों ने चेहरे पर गमछा बांध रखा था। अपराधियों ने सबसे पहले पीछे बैठे बबलू गांधी को पकड़ लिया। जब उन्होंने बदमाशों का चेहरा देखने के लिए गमछा खींचने की कोशिश की तो अपराधियों ने ताबड़तोड़ चार राउंड फायरिंग कर दी। इसके बाद उनके गले से सोने की चेन और नकदी से भरा झोला छीन लिया।

दूसरे कारोबारी ने गली में भागकर बचाई जान : घटना के दौरान दूसरी बाइक पर सवार अभिषेक कुमार को भी अपराधियों ने पकड़ने की कोशिश की। उन्होंने अपनी बाइक सड़क पर छोड़ दी और जान बचाने के लिए गली की ओर भागते हुए शोर मचाना शुरू कर दिया। शोर सुनकर स्थानीय लोग बाहर निकलने लगे, जिसके बाद अपराधी उनका पीछा छोड़ सोन नदी की ओर भाग निकले।

बिहार में साइबर ठगी के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का भंडाफोड़, 14.67 करोड़ रुपये के संदिग्ध लेन-देन का खुलासा

पटना, एजेंसी। बिहार पुलिस की साइबर अपराध एवं सुरक्षा इकाई ने साइबर ठगी और अंतरराष्ट्रीय मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पटना साइबर थाना की मदद से की गई इस कार्रवाई में ऐसे गिरोह का खुलासा हुआ है, जो साइबर ठगी की रकम को फर्जी बैंक खातों के जरिए इधर-उधर भेजकर अंततः क्रिप्टो करेंसी में बदलने का काम कर रहा था। प्रारंभिक जांच में करीब 14 करोड़ 67 लाख रुपये के संदिग्ध लेन-देन की बाते सामने आई है।

लंबे समय से साइबर अपराध से जुड़े अपराधी: गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कंकड़बाग निवासी गौतम गंभीर, विवान कुमार, रामकृष्णा नगर निवासी तनय सिंह और नालंदा जिले के हिलसा निवासी सुमित राज के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, चारों लंबे समय से संगठित तरीके से साइबर अपराध से जुड़े बैंक खातों का संचालन कर रहे थे।

म्यूल अकाउंट्स का इस्तेमाल: इस मामले में पटना साइबर थाना में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस पूरे नेटवर्क की कड़ियों को जोड़ कर पूरे गिरोह के बारे में जानकारी लेने की कोशिश कर रही है।

पुलिस के मुताबिक जांच में सामने आया है कि आरोपी अलग-अलग बैंकों में फर्जी दस्तावेजों या म्यूल अकाउंट के माध्यम से खाते खुलवाते थे।

क्या है म्यूल अकाउंट: गौरतलब है कि म्यूल अकाउंट एक ऐसा बैंक खाता होता है, जिसका उपयोग जालसाज और साइबर अपराधी अवैध रूप से कमाए गए पैसे को छिपाने या एक जगह से दूसरी जगह भेजने यानि मनी लॉन्ड्रिंग के लिए करते है।यह खाता किसी निर्दोष व्यक्ति के नाम पर होता है, जिसे धोखे, लालच (कमीशन), या नौकरी के नाम पर फंसाकर अपराधी इस्तेमाल करते हैं।

चीन से जुड़े नेटवर्क के तार: ईओयू के हवाले से ये बताया गया है कि देशभर में साइबर ठगी से हासिल रकम पहले इन्हीं खातों में जमा कराई जाती थी। इसके बाद कई चरणों में पैसे को दूसरे खातों में ट्रांसफर कर उसकी वास्तविक पहचान छिपाने की कोशिश की जाती थी। पुलिस का कहना है कि शुरुआती जांच में यह भी संकेत मिले हैं कि ठगी की राशि को क्रिप्टो करेंसी में बदलकर विदेशी नेटवर्क तक पहुंचाया जा रहा था। इस नेटवर्क के तार चीन से जुड़े संचालकों तक होने की आशंका जताई जा रही है।

कॉरपोरेट बैंक खातों का इस्तेमाल: वहीं सीसीएसयू की जांच में यह भी पता चला है कि गिरोह बड़े वित्तीय लेन-देन के लिए कॉरपोरेट बैंक खातों का इस्तेमाल करता था। पुलिस ने बताया कि जांच टीम को कुछ बैंक कर्मियों की संभावित भूमिका पर भी संदेह है। अधिकारियों का कहना है कि इस पहलू की गंभीरता से जांच की जा रही है। यदि किसी बैंक अधिकारी या कर्मचारी की संलिप्तता सामने आती है तो उसके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बैंकिंग से जुड़े सामान बरामद: छापेमारी के दौरान पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से बड़ी संख्या में बैंकिंग और डिजिटल लेन-देन से जुड़े सामान बरामद किए हैं। इनमें 4 मोबाइल फोन, 6 बैंक पासबुक, 13 एटीएम कार्ड, 10 चेकबुक, 6 मोहर, 1 क्यूआर पेमेंट कोड और 8 सिम कार्ड शामिल हैं। जब्त दस्तावेजों और डिजिटल उपकरणों की फॉरेंसिक जांच कराई जा रही है ताकि नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान की जा सके।

करीब 15 करोड़ के संदिग्ध लेन-देन: पुलिस की जांच में पता चला है कि जब्त किए गए बैंक खातों के खिलाफ देश के विभिन्न राज्यों में साइबर ठगी की कई शिकायतें पहले से दर्ज हैं। शुरुआती आंकलन के अनुसार, इन खातों के माध्यम से करीब 14 करोड़ 67 लाख रुपये के संदिग्ध लेन-देन हुए हैं। जांच एजेंसियां अब धन के स्रोत, लाभार्थियों और विदेशी कनेक्शन की गहन जांच कर रही हैं।

आम जनता से सतर्क रहने की अपील: बिहार पुलिस की साइबर अपराध एवं सुरक्षा इकाई ने आम जनता से सतर्क रहने की अपील की है। पुलिस ने कहा - 'किसी भी अनजान व्यक्ति के कहने पर अपना बैंक खाता, एटीएम कार्ड, चेकबुक, सिम कार्ड या यूपीआई आईडी किसी को इस्तेमाल के लिए न दें। थोड़े से कमीशन या लालच में अपना बैंक खाता उपलब्ध कराना भी कानूनन अपराध है।

संक्षिप्त समाचार

परंपरागत खेलों में खिलाड़ियों ने दिखाया दम

आगरा, एजेंसी। विश्वविद्यालय के छलेसर परिसर स्थित शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद विभाग में 92वें दीक्षांत समारोह से पूर्व आयोजित दीक्षोत्सव की दो दिवसीय परंपरागत खेल प्रतियोगिताओं का शनिवार को समापन हुआ। विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों को प्रतिभाग प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। बालिका वर्ग की खो-खो और रुमाल झपट्टा प्रतियोगिता में बैकुंठी देवी कन्या महाविद्यालय विजेता रहा। कबड्डी, रस्साकशी, सतोलिया और स्टॉपू में शारीरिक शिक्षा विभाग, छलेसर परिसर ने बाजी मारी। गिल्ली-डंडा और लंगड़ी टांग में माता भगवती देवी महाविद्यालय, आंवलखेड़ा की टीम विजेता रही। पुरुष वर्ग में खो-खो का खिताब भगत सिंह दल ने जीता, जबकि रस्साकशी, रुमाल झपट्टा और कबड्डी में शारीरिक शिक्षा विभाग, छलेसर परिसर विजेता बना। गिल्ली-डंडा में आईएसएस. पालीवाल परिसर और सतोलिया में वीर सावरकर दल ने पहला स्थान हासिल किया। स्टॉपू प्रतियोगिता में छलेसर परिसर की टीम विजेता रही। इस दौरान डॉ. अखिलेश चंद्र सक्सेना, रवि शंकर वर्मा, प्रो. अनुपम सक्सेना, डॉ. विजय चौधरी, डॉ. उरदेव सिंह तोमर, डॉ. नरेंद्र पाल सिंह, डॉ. श्याम सुंदर और डॉ. सुनीता आदि मौजूद रहीं।

गोलू-कालू गिरोह में विवाद के बाद दूसरी जेल भेजे थे बंदी

मेरठ। इससे पहले गोलू और कालू गिरोह के बंदियों में भी विवाद का मामला सामने आया था। इस संबंध में जेलर का का कहना है कि दोनों गिरोह के बंदियों में कहासुनी हुई थी लेकिन विवाद नहीं हुआ। इनके साथियों ने सोशल मीडिया पर एक दूसरे के खिलाफ कमेंट और पोस्ट की थीं। इसके बाद दोनों गिरोह के चार बंदियों सिद्धार्थ, विनित गुर्जर, हर्ष और जुनैद को दूसरे जिलों की जेलों में स्थानांतरण कर दिया था।

चिकित्सक ने सप्लाई कंपनी पर पांच लाख रुपये का सामान हड़पने का आरोप

मेरठ, एजेंसी। मेडिकल अस्पताल निवासी डॉ. मनीष सिंह ने एक निजी सप्लाई कंपनी पर करीब 5 लाख रुपये का घरेलू सामान हड़पने का आरोप लगाया है। उन्होंने प्राथमिकी दर्ज कराई है। डॉ. सिंह ने 1 जुलाई को अपने गांव बलिया के लिए फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और कपड़े कंपनी के माध्यम से भेजे थे। 17 दिन बाद भी सामान का कोई पता नहीं चला। कंपनी ने संपर्क करने पर बहाने बनाए और अभद्र व्यवहार किया। डॉ. मनीष सिंह ने कंपनी मालिक विनय कुमार से कई बार संपर्क किया, पर हर बार अलग बहाने मिले। उन्हें फोन पर धमकी भी दी गई। पुलिस को बुकिंग बिल, भुगतान रसीद और व्हाट्सएप चैट जैसे दस्तावेज उपलब्ध कराए गए हैं। पुलिस अधीक्षक विनायक गोपाल भोसल ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू हो गई है।

गोपनीयता भंग करने वाले युवक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

मेरठ, एजेंसी। गोपनीयता भंग करने के मामले में एमडीए के लिपिक ने सिविल लाइन थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। मेडा लिपिक प्रेम सिंह ने बताया कि वह राम मनोहर लोहिया योजना का कार्य देखते हैं। 15 जुलाई को उन्होंने इस योजना की तीन पत्रावलियां फोटोकॉपी कराने संपत्ति अनुभाग भेजी थीं। वहां लोहियानगर निवासी दयानंद इन पत्रावलियों को खोलकर पढ़ रहा था। इसी दौरान मेडा के उपाध्यक्ष ने औचक निरीक्षण किया। फाइल देखने पर उन्होंने इस पर आपत्ति जताई। प्रेम सिंह की तहरीर पर सिविल लाइन थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। एसपी सिटी विनायक गोपाल भोसले का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

बंदी पर हमले के दौरान लापरवाही बरतने पर जेल का सिपाही निलंबित

मेरठ, एजेंसी। जिला कारागार में विचाराधीन बंदी पर फावड़े से हमला कर घायल करने के मामले में जेल के सिपाही संतोष कुमार सिंह को निलंबित कर दिया गया है। इस मामले में हमला करने वाले बंदी उमर पर की परिजनों से मुलाकात पर भी 15 दिन की पाबंदी लगाई गई है। हमले में गंभीर रूप से घायल हुए बंदी मोजा का अभी भी इलाज चल रहा है। तीन जुलाई को जिला कारागार में बंदी बागवानी का काम कर रहे थे। इसी दौरान दो बंदियों में आपस में पहले कहासुनी और फिर मारपीट हुई। इसी विवाद में मोजा पर फावड़े से हमला किया गया। मोजा को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। हालांकि इस संबंध में पुलिस को लिखित शिकायत नहीं दी थी। एसएसपी अविनाश पांडेय ने सीओ सिविल लाइन को मामले की जांच सौंपी थी। जेलर हरबंश पांडेय ने बताया कि इस मामले की जांच में पता चला कि मोजा ने किसी बात पर दूसरे बंदी को गाली दी थी। इस दौरान वहां ड्यूटी पर तैनात सिपाही संतोष कुमार सिंह ने उन्हें रोका नहीं है। इसके चलते लापरवाही मानते हुए वरिष्ठ जेल अधीक्षक ने उसे निलंबित किया है। जेल में बंदियों को अनुशासन में रहने निर्देश दिए गए हैं। वहीं, जेल के सिपाहियों को भी सतर्कता से ड्यूटी निभाने के निर्देश दिए हैं।

भक्तों ने खींचा जगत के नाथ का रथ

वाराणसी, एजेंसी। तीन दिवसीय रथयात्रा मेले के अंतिम दिन शनिवार को भी जबरदस्त भीड़ उमड़ी। श्रद्धालुओं ने भगवान जगन्नाथ का अष्टकोणीय रथ खींचा और करीब 19 घंटे तक प्रभु के दर्शन किए। भगवान का रथ करीब 50 मीटर आगे बढ़कर रथयात्रा चौराहे तक पहुंचा। दिनभर आसमान में बादल छाए रहे और रुक-रुककर होती रिमझिम बारिश के बीच भक्तिभाव का माहौल बना रहा। मेले के अंतिम दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रभु के दर्शन के लिए पहुंचे और सफेद वस्त्रों से सजे भगवान जगन्नाथ के दिव्य स्वरूप के दर्शन किए।

शाम ढलते ही रथयात्रा क्षेत्र श्रद्धालुओं से खचाखच भर गया। दर्शन का सिलसिला भोर तक चलता रहा। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय और विधायक सौरभ श्रीवास्तव ने भी भगवान जगन्नाथ के दर्शन किए। आषाढ़ शुक्ल पक्ष की चतुर्थी पर आयोजित रथयात्रा के लक्खा मेले की शुरुआत भगवान जगन्नाथ की मंगला आरती से हुई। सुबह स्थानीय श्रद्धालुओं के साथ बाहर से आए भक्तों, हरे कृष्ण-हरे राम संकीर्तन सोसाइटी के अनुयायियों और संतों की भीड़ उमड़ी। सोसाइटी के अनुयायियों ने झाल-मंजीरे की धुन पर हरे कृष्ण महामंत्र का संकीर्तन और भगवान जगन्नाथ की स्तुति की।

करीब 12 बजे श्रद्धालुओं ने चेतमणि ज्वैलर्स के सामने से भगवान का रथ खींचकर लगभग 50 मीटर आगे रथयात्रा चौराहे तक पहुंचाया। इस दौरान अजय राय ने भी रथ खींचा। जगन्नाथ मंदिर के प्रधान पुजारी पं. राधेश्याम पांडेय ने भगवान को विविध पकवान और नैवेद्य अर्पित कर आरती की। दोपहर एक बजे मंदिरनुमा रथ का पट बंद कर दिया गया। दोपहर तीन से चार बजे के बीच भगवान का अंतिम बार सफेद फूलों से शृंगार कर आरती की गई। इसके बाद पट खुलते ही दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा।

शाम होते-होते रथयात्रा क्षेत्र से लगभग दो किलोमीटर तक मेले में भारी भीड़ रही। आसपास की सड़कें जाम की चपेट में रहीं। आठ स्थानों पर बनाई गई स्टील बैरिकेडिंग में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी थीं। श्रद्धालु हाथों में तुलसी की माला, नानखटाई और अन्य नैवेद्य लेकर भगवान का स्मरण करते हुए आगे बढ़ रहे थे। बीच-बीच में हर-हर महादेव, जय जगन्नाथ, जय श्रीकृष्ण और राधे-राधे के जयघोष गूंजते रहे। श्रद्धालु भगवान के श्वेत स्वरूप का अपलक दर्शन कर रथ का स्पर्श करने को सौभाग्य मान रहे थे। शाम करीब आठ बजे संध्या आरती हुई। रात करीब तीन बजे शयन आरती होनी है। इसके बाद भोर में करीब चार बजे भगवान अस्सी स्थित जगन्नाथ मंदिर के लिए प्रस्थान करेंगे। मेले की सुरक्षा में पुलिस और पीएसी के जवान तैनात रहे। एडिशनल सीपी लॉ एंड ऑर्डर शिवहरि मीणा ने दर्शन करने के साथ सुरक्षा व्यवस्था का जायजा भी लिया।

प्रभु पुरी पीठ के रसगुल्ले और कटहल का भोग लगने के बाद करेंगे मंदिर में प्रवेश : पुरी शंकराचार्य पीठ की काशी शाखा पूर्वाम्नाय श्रीदक्षिणामूर्ति मठ के प्रभारी दंडी संन्यासी स्वामी वनवैभवारण्य सरस्वती संन्यासियों के साथ अंतिम दिन रात करीब तीन बजे रथयात्रा मेले में पहुंचेंगे। पुरी की परंपरा के अनुसार भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा का पूजन कर उन्हें खाजा, फल और पौष्टिक पेय (पोणा) का भोग लगाया जाएगा। इसके बाद भगवान के अस्सी स्थित मंदिर पहुंचने पर मठ की ओर से रसगुल्ला खिलाकर उनका मंदिर में प्रवेश कराया जाएगा।

मालपुआ, कटहल की सब्जी और दही का लगा भोग : रथयात्रा के पहले दो दिनों में भगवान को कोहड़ा, लौकी की सब्जी, पूड़ी, दही और अचार का भोग लगाया गया था। अंतिम दिन विशेष भोग में कटहल की सब्जी, पूड़ी, दही, मालपुआ, पंचमेल अचार, पांच प्रकार के फल, नानखटाई और पेड़ा अर्पित किया गया। सुबह चना, पेड़ा, गुड़, दही और देसी चीनी का शर्बत भी चढ़ाया गया।

बच्चों ने झूलों और व्यंजनों का उठाया आनंद : रथयात्रा मेले में बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला। उन्होंने झूले, चरखी और खिलौनों का आनंद लिया। वहीं, बड़ों ने नानखटाई, चटपटे व्यंजन, शृंगार सामग्री और घरेलू सामान की खरीदारी की। भगवान के दर्शन के बाद श्रद्धालुओं ने देर रात तक मेले का आनंद उठाया।

कांवड़ियों की राह में रोड़े, टूटी सड़कों पर हिचकोले खाएंगे जायरीन

बरेली, एजेंसी। 30 जुलाई से शुरू हो रहे सावन में कांवड़ यात्रा और छह से आठ अगस्त तक आला हजरत उर्स जैसे दो बड़े धार्मिक आयोजन होने हैं। इस दौरान शहर की सड़कों से लाखों कांवड़ियों और जायरीन की आमद होगी, लेकिन तैयारियां सिफर हैं। शहर की सड़कें बदहाल हैं। जगह-जगह गहरे गड्ढे हैं। ऐसे में तैयारियों पर सवाल खड़े हो रहे हैं। यह स्थिति तब है जबकि जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को कांवड़ यात्रा और उर्स से जुड़ी सड़कों को दुरुस्त कराने, बिजली व्यवस्था सुधारने, साफ-सफाई और अन्य आवश्यक इंतजाम समय रहते पूरे करने के निर्देश दिए हैं।

चौपुला चौराहा कांवड़ियों के जंक्शन की तरह है। यहां से अलखननाथ सहित विभिन्न नाथ मंदिरों की ओर जाने वाली सड़कें बदहाल हैं। जिन प्रमुख चौराहों और मार्गों से कांवड़ियों के जत्थे गुजरेंगे, वहां सड़कें टूटी हुई हैं। कई स्थानों पर बिजली के खंभे गलकर झुक गए हैं। कुछ इलाकों में बिजली के तार काफी नीचे तक लटक रहे हैं। यह स्थिति कांवड़ियों की सुरक्षा के मद्देनजर काफी गंभीर है।

बदायूं रोड भी खस्ताहाल है। कछला से जल लेकर बड़ी संख्या में कांवड़िये इसी मार्ग से शहर आते हैं, लेकिन सड़क उखड़ी होने के कारण उनको दिक्कत झेलनी होगी। सावन के दौरान प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु इस मार्ग से गुजरते हैं। बदायूं रोड से चौपुला होकर उर्स के दौरान तीन दिनों में लाखों जायरीन इस्लामियां मैदान तक पहुंचते हैं। ऐसे में यातायात का दबाव भी कई गुना बढ़ जाता है।

दोस्त के 70 फोन कॉल से परेशान मनोज ने मौत को गले लगाया

कानपुर, एजेंसी। उरई के गोपालगंज बंबी रोड पर एक 39 वर्षीय युवक ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों ने युवक के दोस्त पर रुपये के लेनदेन को लेकर मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे राजकीय मेडिकल कॉलेज ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

गोपालगंज बंबी रोड निवासी मनोज रायकवार बजरिया स्थित संजीत की कपड़े की दुकान पर काम करता था। परिजनों के अनुसार, मनोज का अपने दोस्त अंजनी गुप्ता से कुछ रुपये का लेनदेन था। इसी वजह से वह पिछले कुछ समय से तनाव में था। आरोप है कि शुक्रवार को अंजनी गुप्ता ने मनोज को करीब 70 बार फोन किया। अंजनी गुप्ता उस पर रुपये लौटाने का लगातार दबाव बना रहा था। इस मानसिक प्रताड़ना से परेशान होकर मनोज ने यह कदम उठाया। उसकी पत्नी सुनीता देवी ने उसे बेसुध देखा।

उन्होंने पुत्रों शिवा, कृष्णा, कनक और चाचा भरत कुमार की मदद से उसे तत्काल राजकीय मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक जांच-पड़ताल की।

परिजनों ने पुलिस को बताया कि अंजनी गुप्ता की प्रताड़ना के कारण ही मनोज ने आत्महत्या की है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक आनंद कुमार सिंह ने इस मामले पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अभी तक कोई लिखित तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। तहरीर मिलने पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अस्पताल से गायब नीट छात्रा 4 घंटे बाद मिली जज से बोली- अपहरण-दुष्कर्म कुछ नहीं हुआ

कानपुर, एजेंसी। महोबा जिले में चर्चित नीट छात्रा मामले में शनिवार को एक बार फिर नया मोड़ आ गया। मां के साथ इलाज कराने जिला अस्पताल आई छात्रा लापता हो गई। सीसीटीवी फुटेज में छात्रा सड़क पर अकेले भागती नजर आई। चार घंटे की मशक्कत के बाद छात्रा को पुलिस ने खोज लिया। उसने बताया कि वह उप कारागार में बंद प्रेमी से मिलने गई थी। न्यायालय पहुंचकर जमानत प्रार्थना पत्र दिया। उसने आरोपियों को निर्दोष बताया।

मध्यप्रदेश के जनपद छतरपुर के एक गांव निवासी 26 वर्षीय छात्रा महोबा शहर में रहकर नीट की तैयारी कर रही थी। 30 अप्रैल को वह लापता हो गई थी। परिजनों ने अपहरण का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई थी। बाद में छात्रा को खोज लिया गया था। छात्रा ने दुष्कर्म, अपहरण, नशीली इंजेक्शन लगाने व सिगरेट से दागने जैसे गंभीर आरोप लगाए थे। इसके बाद छात्रा का एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ था जिसमें वह स्वेच्छा से शादी करते नजर आ रही थी। पुलिस ने इस मामले में

आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था जो अभी भी उप कारागार महोबा में निरुद्ध हैं। शनिवार को नीट छात्रा पेटदर्द की शिकायत होने पर मां के साथ इलाज के लिए जिला अस्पताल आई और लापता हो गई। मां ने अपहरण की आशंका जताई। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगालकर करीब चार घंटे की मशक्कत के बाद उसे खोज किया।

उसने बताया कि वह उप कारागार में बंद अपने प्रेमी मोहित से मिलने गई थी। न्यायालय पहुंचकर जमानत प्रार्थना पत्र दिया और इसमें कहा कि आरोपित निर्दोष हैं, उन्हें झूठा फंसाया गया है। उसके साथ अपहरण, दुष्कर्म, मारपीट की कोई घटना नहीं हुई है।

छात्रा ने कहा कि अब उसे इस मामले में कुछ नहीं कहना है। उधर सीओ सिटी रविकांत गोंड ने बताया कि छात्रा को सुरक्षित बरामद कर लिया गया है। अभी उसका बयान लिया जाएगा और इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, पुलिस अधीक्षक शशांक सिंह का कहना है कि छात्रा को शीघ्र बरामद किया गया। पहले वह उप कारागार गई। इसके बाद कचहरी गई। छात्रा अब अपने बयान बदल रही है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

नगर निगम बोर्ड के सामान्य अधिवेशन में हरिगढ़ व गोमाता पर हंगामा.. लगे टोंटी चोर, चंदा चोर के नारे

अलीगढ़, एजेंसी। एक वर्ष के अंतराल पर रविवार को हुए नगर निगम बोर्ड के सामान्य अधिवेशन में हरिगढ़ व गोमाता का मुद्दा हंगामे और नारेबाजी का कारण बन गया। एक तरफ सपा पार्षद ने गोमाता को राष्ट्र माता का दर्जा देने संबंधी प्रस्ताव शासन को भेजने की मांग रख दी। वहीं भाजपा पार्षद ने अलीगढ़ को हरिगढ़ करने की मांग दोहरा दी।

प्रश्नकाल में आए दोनों ही प्रस्तावों पर दोनों दलों के पार्षद आमने सामने आ गए। जबरदस्त हंगामा व नोकझोंक के बीच टोंटी चोर, चंदा चोर तक के नारे गूंज उठे। साथ में पोस्टर लहराए गए। इससे पूरा माहौल गर्मा गया।

अधिवेशन की शुरुआत पर प्रश्नकाल में लंच से पहले वार्ड 68 के सपा पार्षद अब्दुल मुत्तलिब ने अपने प्रश्न रखते हुए यह प्रस्ताव रखा कि नगर निगम बोर्ड सामूहिक रूप से यह प्रस्ताव पास करे कि गोमाता को राष्ट्र

माता का दर्जा दिया जाए। बोर्ड से पारित प्रस्ताव को शासन की मंजूरी के लिए भेजा जाए।

यह सुनते ही उनके पीछे की कतार में बैठे भाजपा के पार्षद सामूहिक रूप से भड़क गए और यह कहते हुए विरोध शुरू कर दिया कि जो लोग गोमाता की तस्करी करते हैं या जो मांस का सेवन करते हैं, उनके मुंह से ऐसी बातें मुनासिब नहीं लग रहीं। इसी बात पर वहां हंगामा और नारेबाजी शुरू हो गई। इस हंगामे से पांच मिनट तक सदन की कार्यवाही बाधित हुई।

लंच के बाद वार्ड 67 के भाजपा पार्षद संजय पंडित ने पहले से तय अपने प्रश्न रखने के बजाय सदन से सवाल पूछा कि उन्होंने पिछले सदन में अलीगढ़ को हरिगढ़ करने संबंधी प्रस्ताव रखा था, उस पर क्या हुआ। इस पर खुद मेयर प्रशांत सिंघल ने बताया कि प्रस्ताव शासन को भेज दिया गया है। अब उसमें अपडेट लिया जाएगा कि क्या हुआ।

इसी बीच उनके आगे की कतार में बैठे सपा-बसपा के पार्षदों ने सेम-सेम कहते हुए विरोध शुरू किया तो पहले से तैयारी में आए भाजपा के पार्षदों ने पोस्टर लहराना शुरू कर दिया और वंदेमातरम, जय श्रीराम, योगी मोदी जिंदाबाद के नारे लगाते हुए आगे गैलरी में आ गए। इस पर विरोध कर रहे पार्षदों ने चंदा चोर व अखिलेश यादव जिंदाबाद के नारे लगाने शुरू कर दिए। जवाब में भाजपाई टोंटी चोर के नारे लगाने लगे। इस दौरान करीब दस मिनट तक सदन की कार्यवाही बाधित रही। सदन में प्रश्नकाल के अंतिम दौर में भाजपा के नामित पार्षद अजीत चौधरी ने अपनी बात कहते हुए तंज कसा कि गोमाता हमारी राष्ट्र माता है। यह मांग उठाने वाले पहले उसके मांस का सेवन करना बंद कर दें। इस पर कुछ देर के लिए माहौल गर्म हो गया।

सदन की पूरी कार्यवाही सकारात्मक रूप से हुई है। कुछ पार्षदों ने अपनी बात रखी है।

मूसाबाग में मेट्रो के सेकेंड फेज का निर्माण शुरू

लखनऊ, एजेंसी। चारबाग से बसंतकुंज तक प्रस्तावित लखनऊ मेट्रो के सेकेंड फेज का काम शनिवार से शुरू हो गया। मूसाबाग में एलिवेटेड कॉरिडोर बनाने का टेंडर लेने वाली कंपनी ने मेट्रो निर्माण की पाइलिंग के लिए खुदाई आरंभ कर दी है। खुदाई के बाद कंपनी मिट्टी का परीक्षण कराएगी। रिपोर्ट के आधार पर महीनेभर के अंदर एलिवेटेड सेक्शन बनाने के लिए पाइलिंग शुरू कर दी जाएगी। यह काम दो साल में पूरा हो जाएगा।

मेट्रो के सेकेंड फेज के तहत चारबाग से बसंतकुंज तक बनानने वाले ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर की लंबाई 11.165 किमी है। इसके तहत सात भूमिगत और पांच एलिवेटेड स्टेशन बनाए जाएंगे। प्रोजेक्ट पर करीब 5801 करोड़ रुपये खर्च होंगे। ईस्ट-वेस्ट कारिडोर के लिए सभी महत्वपूर्ण टेंडर हो चुके हैं। पिछले दिनों ही पांच एलिवेटेड स्टेशनों के निर्माण का टेंडर फाइनल कर कंपनी का चयन हो गया है। भूमिगत मेट्रो स्टेशन के लिए भी अगस्त तक कंपनी का चयन होने की उम्मीद है।

बेटे ने दोस्त के साथ मिलकर की पिता की हत्या, दोनों गिरफ्तार

अलीगढ़, एजेंसी। थाना क्वार्सी क्षेत्र में पंजीपुर नाले के पास मिले एक शव की गुत्थी पुलिस ने सुलझा लिया है। दूसरे निकाह और संपत्ति विवाद में बेटे रिहान ने अपने दोस्त समीर के साथ मिलकर पिता बादशाह अली (40) की हत्या की थी। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक 17 जुलाई की रात को थाना क्वार्सी क्षेत्र के गांव पंजीपुर में नाले के पास एक व्यक्ति का लहूलुहान शव मिला था। शव पर धारदार हथियार से वार के निशान थे। शनिवार को मृतक की पहचान बादशाह अली निवासी नगला सरूआ, थाना चंडौस, अलीगढ़ के रूप में हुई। मृतक के पिता यासीन खां ने पुलिस को बताया कि उनका बेटा 17 जुलाई को दीवानी कचहरी में तारीख पर गया था, उसके बाद घर नहीं लौटा। पिता की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू की।

थाना क्वार्सी पुलिस ने जब घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले तो शक की सुई मृतक के परिवार पर ही घूमी। पुलिस ने घेराबंदी कर मृतक के बेटे रिहान और उसके दोस्त समीर निवासी जलालपुर, थाना रोरावर को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में रिहान ने हत्या की बात

स्वीकार ली। क्षेत्राधिकारी तृतीय सर्वम सिंह ने बताया कि बादशाह अली की हत्या उसके बेटे रिहान ने ही अपने दोस्त समीर के साथ मिलकर की थी। दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

मां को करता था प्रताड़ित, मुझे करना चाहता था बेघर : आरोपी रिहान ने बताया कि 20 वर्ष पूर्व उसके पिता बादशाह अली का निकाह उसकी मां नगीना के साथ हुआ था। कुछ समय बाद पिता ने उसकी मां के रहते हुए ही एक दूसरी महिला से निकाह कर लिया। इसके बाद से ही ली रिहान की मां को शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने लगा। मुझे भी बेघर करना चाह रहा था।

पुलिस की पूछताछ में उसने बताया कि प्रताड़ना और विवाद इस हद तक बढ़ गया था कि मां और पिता के बीच एक प्लॉट को लेकर दीवानी अदालत में मुकदमा चल रहा था। करीब छह महीने पहले तनाव के चलते मां नगीना की मौत हो गई। इससे रिहान के मन में पिता के प्रति नफरत और गहरी हो गई। मां की मौत के बाद बादशाह अली अपनी दूसरी पत्नी को महफूज नगर स्थित उस मकान में लाने की जिद करने लगा। इसमें रिहान और उसकी मां रहते थे। बादशाह अली वह मकान अपनी दूसरी पत्नी के नाम करने की धमकी दे रहा था। रिहान को लगा कि उसका पिता उसे बेघर कर देगा।

मेलरोज चौराहे पर रची साजिश, नगला किला के पास की हत्या : बादशाह अली गांव में ही बकरी पालन का काम करता था। मकान खोने के डर और मां की मौत के बदले की आग में जल रहे रिहान ने अपने दोस्त समीर के साथ मिलकर पिता को रास्ते से हटाने की साजिश रची। 17 जुलाई को जब बादशाह अली दीवानी से लौट रहा था, तब रिहान ने फोन कर उसे मेलरोज चौराहे पर बुलाया।

वहां रिहान और उसका दोस्त समीर एक बाइक पर बादशाह अली को साथ बैठाकर नगला किला के पास सुनसान इलाके में ले गए। वहां दोनों ने मिलकर धारदार हथियार से बादशाह अली पर ताबड़तोड़ वार कर उसे मौत के घाट उतार दिया। पहचान छिपाने और पुलिस को गुमराह करने के मकसद से उन्होंने शव को पंजीपुर नाले के पास फेंक दिया। बादशाह अली की गर्दन के साथ साथ पेट, चेहरे और हाथ-पैर पर भी चाकुओं के निशान पाए गए हैं।

▶▶ पंजीपुर नाले पर मिले शव की शिनाख्त बादशाह अली के रूप में हुई। शनिवार को 24 घंटे के अंदर ही घटना का खुलासा कर दिया है। बादशाह अली की हत्या उसके बेटे रिहान ने ही अपने दोस्त समीर के साथ मिलकर की थी। उनके पास से घटना में प्रयुक्त सामग्री और अन्य साक्ष्य बरामद किए जा रहे हैं। आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

– सर्वम सिंह, क्षेत्राधिकारी तृतीय

सीजेपी के 'संसद मार्च' से पहले दिल्ली में हाई अलर्ट

जंतर-मंतर पर वामपंथी छात्रों ने डाला डेरा

नई दिल्ली, एजेंसी। रविवार छुट्टी का दिन होने के चलते कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के धरना प्रदर्शन में बड़ी संख्या में लोग जुटे। विपक्षी दलों ने सतर्कता बरतते हुए सीजेपी को समर्थन देने की रफ्तार बढ़ा दी है। खासकर वामपंथी छात्र संगठन इस आंदोलन में काफी सक्रिय नजर आ रहे हैं।

ढपली के साथ जंतर मंतर पर जेएनयू के वामपंथी छात्र संगठन से जुड़े छात्र सैकड़ों की संख्या में पहुंचकर डेरा जमा लिया है। इस बीच, सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती होने के बाद सीजेपी प्रमुख अभिजीत दीपके ने खुद मोर्चा संभाल लिया है। वह अनशन पर बैठ गए हैं।

चंद्रशेखर आजाद भी जंतर मंतर पहुंचे

शनिवार दोपहर बाद से ही वामपंथी छात्रों की भीड़ जंतर मंतर पर पहुंचने लग गई। देर रात्रि नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद भी जंतर मंतर पहुंचे। कुछ देर पहले एक्स पोस्ट पर एक वीडियो संदेश जारी कर अभिजीत दीपके ने आज रविवार को लोगों से बड़ी संख्या में जंतर मंतर पहुंचने का आह्वान किया है। साथ ही रविवार रात्रि रुकने की भी अपील की है। उन्होंने अंदेशा जताते हुए कहा है कि रविवार रात पुलिस उन लोगों को हटाने की कोशिश कर सकती है।

दिल्ली पुलिस ने बढ़ाई निगरानी

विशेष है कि सोमवार से संसद का मानसून सत्र शुरू हो रहा है। जिसके मद्देनजर पुलिस और अर्धसैनिक बल भी सक्रिय है। दिल्ली पुलिस के शीर्ष अधिकारियों द्वारा मामले पर नजर रखी जा रही है। कल सोमवार को संसद मार्च के आह्वान के चलते आज आंदोलनकारियों की गतिविधियां पूरे दिन तेज रहने की संभावना है। अब देखना यह होगा कि पुलिस आज रात में ही प्रदर्शनकारियों को मनाकर हटाने की कोशिश करती है या सोमवार को संसद की ओर कूच का इंतजार करती है। वैसे, पुलिस प्रशासन पहले से ही सोमवार को प्रस्तावित संसद मार्च को लेकर पूरी तरह सतर्क है। सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद रखा गया है। जबकि, आज विपक्षी दलों के समर्थन से आंदोलन की तीव्रता बढ़ने के आसार हैं।

दिल्ली के फतेहपुर बेरी में गोदाम में लगी आग, दमकल की 11 गाड़ियां बुझाने में जुटीं; कोई हताहत नहीं

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के फतेहपुर बेरी स्वरूप कॉलोनी स्थित गोदाम में रविवार सुबह आग लग गई। सूचना पर आनन-फानन में दमकल की 11 गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने में जुट गई हैं।

दमकल विभाग को सुबह 6.43 बजे आग लगने की सूचना मिली थी। प्राथमिक जानकारी के मुताबिक, इवेंट मैनेजमेंट के सामने वाले गोदाम में आग लगी है। आग किस वजह से लगी इसका पता अभी नहीं चल सका है। वहीं, आग से अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

दिल्ली की विशेष लोक अदालत में हुआ 15036 चेक बाउंस मामलों का निपटारा, 131.40 करोड़ पर समझौता

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएसएलएसए) ने शनिवार को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) के तहत चेक बाउंस मामलों के निपटारे के लिए दिल्ली के सभी जिला अदालत परिसरों में विशेष लोक अदालत का आयोजन किया। इस दौरान कुल 15,036 मामलों का निपटारा किया गया और 131.40 करोड़ रुपये की राशि पर समझौता हुआ।

जल्द निपटारे में मदद कर रही लोक अदालत: डीएसएलएसए के अनुसार, चेक बाउंस के मामलों की बढ़ती संख्या और अदालतों में लंबित मुकदमों का बोझ कम करने के उद्देश्य से इस विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया। चूंकि, इस तरह के मामले मुख्य रूप से वित्तीय विवादों से जुड़े होते हैं और आपसी सहमति से उनका समाधान संभव होता है, इसलिए लोक अदालत इन्हें शीघ्र निपटाने का प्रभावी माध्यम साबित हो रही है। प्राधिकरण ने बताया कि विशेष लोक अदालत के सफल आयोजन के लिए सभी जिला अदालतों के सहयोग से पहले ही व्यापक तैयारियां की गई थीं। इसके तहत लंबित और प्री-लिटिगेशन मामलों की पहचान कर उनकी सूची तैयार की गई, सभी पक्षकारों को समय पर नोटिस भेजे गए, बैंकों के अधिकृत अधिकारियों की उपस्थिति सुनिश्चित की गई व पर्याप्त संख्या में लोक अदालत पीठों का गठन किया गया। पक्षकारों के बीच समझौता कराने के लिए प्रशिक्षित मध्यस्थों की भी तैनाती की गई। लोक अदालत से पहले विभिन्न अदालतों में प्री-लोक अदालत बैठकें भी आयोजित की गईं, ताकि अधिक से अधिक मामलों में पहले ही सहमति बन सके और सुनवाई के दिन उनका निपटारा किया जा सके।

विशेष लोक अदालत की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने के लिए डीएसएलएसए के वरिष्ठ अधिकारियों ने विभिन्न अदालत परिसरों का दौरा किया।

पक्षकारों से बातचीत कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा: सदस्य सचिव राजीव बंसल ने साकेत अदालत, विशेष सचिव तन्वी खुराना ने तीस हजारी अदालत, अतिरिक्त सचिव अभिनव पांडेय ने कड़कड़डूमा अदालत व सचिव (वाद) भारती गर्ग ने पटियाला हाउस अदालत परिसर का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने न्यायिक अधिकारियों, कर्मचारियों, मध्यस्थों और पक्षकारों से बातचीत कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। वादकारियों की सुविधा के लिए सभी प्रमुख अदालत परिसरों में महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष सहायता काउंटर भी स्थापित किए गए। प्राधिकरण के अनुसार, न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं, बैंक अधिकारियों, मध्यस्थों और पक्षकारों के सक्रिय सहयोग से बड़ी संख्या में मामलों का आपसी सहमति से निपटारा संभव हो सका। डीएसएलएसए अधिकारियों ने कहा कि लोक अदालत के माध्यम से लोगों को कम समय, कम खर्च और सरल प्रक्रिया में न्याय मिलता है।

दक्षिणी दिल्ली को जाम से मिलेगी राहत, कालकाजी और सावित्री सिनेमा फ्लाईओवर का काम जल्द होगा शुरू

दक्षिणी दिल्ली, एजेंसी। आउटर रिंग रोड पर कालकाजी और सावित्री सिनेमा फ्लाईओवर की दूसरी लेन बनाने में आ रही बाधा अब दूर हो गई है। दोनों ही साइट पर ठेकेदार कंपनी को निर्माण सामग्री रखने के लिए जगह नहीं मिल रही थी।

कालकाजी फुटओवर ब्रिज के पास पीडब्ल्यूडी की साइट पर जहां निर्माण सामग्री आनी शुरू हो गई है, वहीं अब सावित्री सिनेमा फ्लाईओवर के पास डीडीए ने इसके लिए दो एकड़ जमीन उपलब्ध करा दी है। पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा ने शनिवार को डीडीए की ओर से जमीन की मांग को मंजूरी मिलने की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि दिसंबर 2025 में इस प्रोजेक्ट को मंजूरी मिली थी। साथ ही मोदी मिल फ्लाईओवर को कालकाजी फ्लाईओवोर से जोड़ने का काम भी मंजूर किया था। प्रशासनिक मंजूरी मिलने के बावजूद खाली स्थान की कमी के कारण काम शुरू नहीं हो पाया था। दिल्ली सरकार ने सावित्री सिनेमा फ्लाईओवर के पास डीडीए से लगभग दो एकड़ ज़मीन मांगी थी ताकि ट्रैफ़िक की आवाजाही में ज्यादा रुकावट के बिना निर्माण कार्य किया जा सके। इस निर्माण से ग्रेटर कैलाश और नेहरू प्लेस, चित्तरंजन पार्क और चिराग दिल्ली इलाके के बीच बिना किसी परेशानी के आवाजाही हो सकेगी।

लगभग 412 करोड़ रुपये की यह परियोजना दक्षिणी दिल्ली में ट्रैफिक की समस्या को कम करने में कारगर साबित हो सकती है। गावर कंस्ट्रक्शन को इसका काम सौंपा गया है, जिसे अगले 24 से 30 महीनों में दोनों फ्लाईओवर का काम पूरा करना है।

मई में ही मिट्टी की जांच और भू-तकनीकी सर्वे किया गया पर निर्माण सामग्री रखने के लिए स्थान उपलब्ध न होने का काम आगे नहीं बढ़ पा रहा था।

अब कालकाजी फ्लाईओवर के पास निर्माण सामग्री आनी शुरू हो गई है और सावित्री सिनेमा के पास स्थान मिलने से अगले कुछ दिनों में दोनों जगहों पर दूसरी लेन के फ्लाईओवर निर्माण का काम शुरू कर दिया जाएगा। भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा दक्षिणी दिल्ली में जाम की समस्या बड़ी चुनौती है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता व पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा से इसे लेकर आग्रह किया था। जाम की समस्या दूर करना दिल्ली सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है।

पहले चरण में 79404 छात्रों ने स्वीकार की सीट, 10746 ने फीस जमा कर प्रवेश किया पक्का

नई दिल्ली, एजेंसी। डीयू में स्नातक (यूजी) दाखिले के पहले चरण में प्रवेश प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। शनिवार शाम छह बजे तक जारी आंकड़ों के अनुसार, 79,404 अभ्यर्थियों ने आवंटित सीट स्वीकार कर ली है।

इनमें से 26,061 आवेदनों का कालेजों द्वारा सत्यापन पूरा कर उन्हें फीस जमा करने की अनुमति दे दी गई, जबकि 10,746 विद्यार्थियों ने आनलाइन फीस जमा कर अपना प्रवेश सुनिश्चित कर लिया है। विश्वविद्यालय ने इस वर्ष पहले चरण में 71,624 उपलब्ध सीटों के मुकाबले 93,033 सीट आवंटन किए थे। यानी सीटों की वास्तविक संख्या से करीब 21 हजार अधिक आवंटन किए गए।

25 जुलाई को आएगी दूसरे चरण की सीट आवंटन सू: विश्वविद्यालय का कहना है कि यह रणनीति पिछले वर्षों के अनुभव के आधार पर अपनाई गई है, क्योंकि बड़ी संख्या में छात्र एक से अधिक संस्थानों में विकल्प मिलने पर सीट छोड़ देते हैं। इससे सभी सीटें समय पर भरने में मदद मिलती है। दूसरे चरण की सीट आंवटन सूची 25 जुलाई को आएगी।

डीयू के अनुसार, पहले चरण में सीट पाने वाले विद्यार्थियों के लिए 18 जुलाई रात 11:59 बजे तक सीट स्वीकार करने का अंतिम अवसर था। इसके बाद संबंधित कालेज दस्तावेजों का सत्यापन करेंगे और योग्य अभ्यर्थियों को फीस भुगतान के लिए मंजूरी देंगे। जिन छात्रों को भुगतान की अनुमति मिल चुकी है, उन्हें निर्धारित समयसीमा के भीतर फीस जमा करनी होगी, तभी उनका प्रवेश अंतिम रूप से माना जाएगा। इस वर्ष डीयू की प्रवेश प्रक्रिया में रिकार्ड रुचि देखने को मिली। 2,18,284 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी की, जबकि 2,06,835 विद्यार्थियों ने कालेज और पाठ्यक्रम की प्राथमिकताएं भरी थीं। इन्हीं के आधार पर पहली आवंटन सूची जारी की गई।

संसद के मानसून सत्र के दौरान दिल्ली की इन सड़कों पर बढ़ेगा जाम

ट्रैफिक पुलिस ने जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद का मानसून सत्र सोमवार 20 जुलाई से शुरू होने जा रहा है। सत्र के दौरान संसद भवन और नई दिल्ली क्षेत्र में वीवीआइपी आवाजाही बढ़ने और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रहने के कारण कई प्रमुख सड़कों और चौराहों पर यातायात प्रभावित रह सकता है। इसे देखते हुए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने आम लोगों से यात्रा की बेहतर योजना बनाने और वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की अपील की है।

इन मार्गों से बचने की सलाह: ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, रफी मार्ग, मोतीलाल नेहरू मार्ग, मौलाना आजाद रोड, के. कामराज मार्ग, रायसीना रोड, राजेंद्र प्रसाद रोड, संसद मार्ग, अशोका रोड, तालकटोरा रोड, पंडित पंत मार्ग और रकाबगंज गुरुद्वारा रोड पर वाहनों का दबाव बढ़ सकता है। आवश्यकता न होने पर इन मार्गों से बचने की सलाह दी गई है। इसी तरह विजय चौक, पटेल चौक, बोट क्लब, बूटा सिंह मार्ग, रेल भवन, प्राइम चौक, सुनेहरी मस्जिद, जीआरजी और जलेबी चौक जैसे प्रमुख चौराहों पर भी यातायात प्रभावित रहने की संभावना है। ऐसे में वाहन चालकों को इन क्षेत्रों में अतिरिक्त समय लेकर निकलने की सलाह दी गई है।

इन वैकल्पिक मार्गों को इस्तेमाल करने का सुझाव

यातायात पुलिस ने जनपथ, मान सिंह रोड, अकबर रोड, तीन मूर्ति मार्ग, शांति पथ, मौलाना अब्दुल कलाम आजाद रोड, कमाल अतातुर्क मार्ग और पंचशील मार्ग को वैकल्पिक रास्तों के रूप में सुझाया है। इसके अलावा विनय मार्ग, आउटर सर्कल (कनाट प्लेस), बाबा खड़क सिंह मार्ग, मदर टेरेसा क्रिसेंट रोड और सरदार पटेल मार्ग का भी आवश्यकता अनुसार उपयोग किया जा सकता है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने वाहन चालकों से धैर्य बनाए रखने, यातायात नियमों का पालन करने और ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों के निर्देशों का पूरी तरह पालन करने की अपील की है। पुलिस का कहना है कि आम नागरिकों के सहयोग से संसद के मानसून सत्र के दौरान यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखा जा सकेगा।

खामेनेई के किस बयान पर ईरान ने दी यूएस को चेतावनी? कहा- बात समझ आ गई हो तो तुरंत भाग जाएं अमेरिकी सैनिक

तेहरान, एजेंसी। ईरान की संसद में राष्ट्रीय सुरक्षा समिति के प्रमुख इब्राहिम अजीजी ने अमेरिका को एक नई चेतावनी दी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शनिवार को एक पोस्ट लिखी। पोस्ट में अजीजी ने कहा कि अगर अमेरिकी सैनिक ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई के हालिया बयान का असली मतलब समझ लें, तो वे भागने में एक सेकंड भी बर्बाद नहीं करेंगे। खामेनेई ने हाल ही में अमेरिका को कभी न भूलने वाले सबक (अविस्मरणीय सबक) सिखाने की बात कही थी। अजीजी का यह बयान तेहरान और वाशिंगटन के बीच बढ़ते तनाव के बीच आया है। सर्वोच्च नेता खामेनेई का अमेरिका पर तीखा हमला इससे पहले ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई ने देश के नाम अपने संदेश में अमेरिका पर कड़ा प्रहार किया था। उन्होंने अमेरिका को 'महान शैतान' (ग्रेट सैटन) कहा। खामेनेई ने घोषणा की कि 14 सूत्रीय सहमति पत्र पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्ताक्षर पूरी तरह से बेकार और साखहीन हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर वाशिंगटन ने ईरान पर सैन्य हमले जारी रखे, तो ईरान और उसका 'प्रतिरोध मोर्चा' (रेसिस्टेंस फ्रंट) उसे ऐसे सबक सिखाएंगे जिन्हें वह कभी नहीं भूल पाएगा।

खामेनेई ने अमेरिका पर ईरान के साथ समझौतों का बार-बार उल्लंघन करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इन उल्लंघनों ने एक बार फिर वाशिंगटन की बेईमानी, अतार्किकता, अविश्वसनीयता और दुर्भावनापूर्ण व्यवहार को उजागर कर दिया है। खामेनेई के अनुसार, दोनों देशों के राष्ट्रपतियों के बीच हुए समझौते को अमेरिका ने बार-बार तोड़ा है। इससे यह बुनियादी सच सामने आ गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति के हस्ताक्षर की कोई कीमत नहीं है। उन्होंने कहा कि जबरदस्ती, तानाशाही और क्रूरता अमेरिकी नीतियों के मुख्य हिस्से हैं। अमेरिकी हरकतों ने उसका असली और बेनकाब चेहरा सबके सामने ला दिया है। उन्होंने इसे अपराध और वादे तोड़ने का एक और उदाहरण बताया।

समझौता टूटने से बढ़ा पश्चिम एशिया में तनाव: ईरान और अमेरिका के बीच यह तनाव पिछले महीने हस्ताक्षरित 14 सूत्रीय सहमति पत्र (रूप्स) के टूटने के बाद बढ़ा है। इस समझौते का उद्देश्य दोनों पक्षों के बीच दुश्मनी को खत्म करना था। साथ ही इसके जरिए ईरान के परमाणु कार्यक्रम और होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज) में समुद्री सुरक्षा पर बातचीत का रास्ता खोलना था। इस समझौते के टूटने से पश्चिम एशिया में संघर्ष फिर से शुरू हो गया है। अमेरिका ने ईरान के सैन्य और नागरिक ठिकानों पर हमले किए हैं। इसके जवाब में ईरान ने भी खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। खामेनेई ने चेतावनी दी कि अगर अमेरिकी दुश्मन संघर्ष को और बढ़ाता है, तो उसे इसकी भारी कीमत चुकानी होगी।

पश्चिम एशिया संघर्ष: अमेरिका ने दुनियाभर में अपने नागरिकों को किया सतर्क

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने शनिवार को दुनियाभर में यात्रा करने वाले अमेरिकी नागरिकों के लिए सतर्क रहने की चेतावनी जारी की। मंत्रालय ने कहा कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण सुरक्षा की स्थिति जटिल बनी हुई है। अमेरिका और ईरान की ओर से क्षेत्र में बढ़ी सैन्य गतिविधियों के बीच अचानक हालात बिगड़ सकते हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने जारी बयान में दुनियाभर में रहने वाले अमेरिकी नागरिकों, खासकर पश्चिम एशिया में मौजूद लोगों से अधिक सतर्क रहने और तेजी से बदल रहे सुरक्षा हालात की जानकारी लेते रहने की सलाह दी।

बयान में कहा गया कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण जटिल सुरक्षा माहौल बना हुआ है और अचानक हालात बिगड़ने की आशंका है। मंत्रालय ने पश्चिम एशिया में मौजूद अमेरिकी नागरिकों से कहा कि वे लगातार समाचार देखते रहें, ताकि नई जानकारी मिलती रहे। साथ ही, अपने सबसे नजदीकी अमेरिकी दूतावास या वाणिज्य दूतावास की ओर से जारी सुरक्षा संबंधी निर्देशों का पालन करें।

बयान में आगे कहा गया, हम क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी नागरिकों को लगातार सावधानी बरतने की याद दिलाते हैं और उन्हें सलाह देते हैं कि वे ताजा घटनाक्रम की जानकारी के लिए समाचार देखते रहें। विदेश मंत्रालय दुनियाभर के अमेरिकी नागरिकों, खासकर पश्चिम एशिया में रहने वालों को अधिक सतर्क रहने की सलाह देता है।

हवाई सेवाओं पर असर की आशंका जताई: इस चेतावनी में यह भी कहा गया कि उड़ानों के रद्द होने और समय-समय पर हवाई क्षेत्र बंद किए जाने से यात्रा प्रभावित हो सकती है। क्षेत्र में जारी तनाव का असर हवाई सेवाओं पर भी पड़ रहा है।

इसके अलावा, विदेश मंत्रालय ने कहा कि पहले भी अमेरिकी राजनयिक कार्यालयों को निशाना बनाया जा चुका है, जिनमें पश्चिम एशिया के बाहर स्थित कार्यालय भी शामिल हैं। मंत्राललय ने चेतावनी दी कि ईरान का समर्थन करने वाले समूह दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में अमेरिका के हितों या अमेरिका और अमेरिकी नागरिकों से जुड़े स्थानों को निशाना बना सकते हैं। बयान में कहा गया, अमेरिकी राजनयिक कार्यालयों को पहले निशाना बनाया गया है, जिनमें पश्चिम एशिया के बाहर स्थित कार्यालय भी शामिल हैं। ईरान का समर्थन करने वाले समूह दुनियाभर में अमेरिका के अन्य हितों या अमेरिका और अमेरिकी नागरिकों से जुड़े स्थानों को निशाना बना सकते हैं। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है, जब ईरान और अमेरिका के बीच तनाव फिर बढ़ गया है। पिछले महीने दोनों देशों के बीच एक 14 बिंदुओं वाला समझौता हुआ था। इसका मकसद दोनों पक्षों के बीच संघर्ष समाप्त करना और आगे की बातचीत का रास्ता खोलना था। खासकर ईरान के परमाणु कार्यक्रम और होर्मुज जलडमरूमध्य में समुद्री सुरक्षा जैसे मुद्दों पर बातचीत की योजना थी।

कनाडा में भारतीय मूल के ड्राइवर की संदिग्ध मौत, हत्या समेत किन पहलुओं पर हो रही जांच?

ओटावा, एजेंसी। कनाडा से एक बेहद हैरान और परेशान करने वाली खबर सामने आई है। ओंटारियो प्रांत के हैमिल्टन शहर में एक भारतीय युवक की बेरहमी से हत्या कर दी गई। मृतक का शव एक सीवेज कलवर्ट (नाले की पुलिया) से बरामद हुआ है। इस खौफनाक वारदात के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। कनाडाई पुलिस ने इसे सीधे तौर पर होमिसाइड यानी हत्या का मामला मानकर तफ्तीश शुरू कर दी है। यह सनसनीखेज मामला बुधवार, 15 जुलाई का है। सुबह करीब 8:15 बजे पुलिस को सूचना मिली। हैमिल्टन के फ्रूटलैंड रोड के उत्तरी छोर पर एक नाले में किसी का शव पड़ा था। पुलिस और इमरजेंसी क्रू तुरंत मौके पर पहुंचे। नाले से जब युवक को बाहर निकाला गया, तो डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की शिनाख्त 29 वर्षीय तरनप्रीत सिंह सिद्धू के रूप में हुई है। तरनप्रीत साल 2022 में भारत से कनाडा आए थे। वह ब्रैम्पटन शहर में ट्रक ड्राइवर के तौर पर काम करते थे। इससे पहले वह हैलिफ़ैक्स में भी रह चुके थे। हैमिल्टन पुलिस अब पील रीजनल पुलिस के साथ मिलकर संयुक्त रूप से इस मर्डर मिस्ट्री को सुलझाने में जुट गई है।

संपादकीय

रूसी तेल पर सौ फीसद शुल्क का दांव

एक तरफ अमेरिका भारत से व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में जुटा है, दूसरी ओर वह रूस से तेल खरीदने पर सौ फीसद आयात शुल्क लगाने की तैयारी कर रहा है। व्यापारिक रिश्तों में विरोधाभास का यह विचित्र उदाहरण है। दरअसल, अमेरिका के दोनों प्रमुख दलों के सांसदों के एक समूह ने सीनेट में एक विधेयक पेश किया है, जिसमें रूस से तेल खरीदने वाले भारत और चीन सहित पांच देशों पर सौ फीसद तक आयात शुल्क लगाने का प्रस्ताव है।

इस विधेयक के पारित हो जाने पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भारी-भरकम शुल्क थोपने का अधिकार मिल जाएगा। इस नए परिदृश्य में भारत-अमेरिका के बीच चल रही व्यापार वार्ता का क्या भविष्य होगा, यह एक बड़ा सवाल है और फिर समझौते का भी क्या महत्त्व रह जाएगा?

गौरतलब है कि बीती फरवरी में व्यापार समझौते के लिए रूपरेखा तय होने पर रूसी तेल से जुड़े अतिरिक्त पच्चीस फीसद शुल्क को हटा दिया गया था। अब नए सिरे से सौ फीसद शुल्क लगाने की प्रक्रिया से प्रतीत होता है कि अमेरिका भयादोहन की नीति अपना रहा है।

हालांकि, संशोधित विधेयक को पहले के मसविदे से नरम बताया जा रहा है। शुरुआती प्रस्ताव में ट्रंप प्रशासन ने संसद में विधेयक पेश कर पांच सौ फीसद तक शुल्क लगाने की पेशकश की थी। मगर सवाल है कि कोई देश अगर रूस से तेल खरीदता है, तो उस पर अमेरिका को शुल्क लगाने का अधिकार कैसे मिल जाता है!

ईरान पर हमले से लेकर शुल्क थोपने तक के मुद्दे पर जिस तरह से राष्ट्रपति ट्रंप अपने रुख से पलटते रहे हैं, उससे अमेरिका की साख कम हुई है। यह स्पष्ट है कि दूसरे देशों को मनमाने तरीके से संचालित करने और उन पर नाहक दबाव बनाने से अमेरिका की महाशक्ति की छवि पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। दबाव बनाने और अपने मुताबिक संचालित करने के अलोकतांत्रिक कदमों से अमेरिका ने अपनी छवि धुंधली ही की है।

अब नाहक शुल्क लगाने की नीति से भारत के साथ उसके व्यापारिक रिश्तों पर नकारात्मक प्रभाव भी पड़ सकता है। सवाल है कि अमेरिका की लगातार मनमानी से दुनिया प्रगति के रास्ते पर बढ़ेगी या पीछे चली जाएगी और इसका खुद अमेरिका पर कैसा असर पड़ेगा?

सौ बुलेटप्रूफ वाहन, बढ़ता खौफ

मणिपुर में हाल के दिनों में हिंसक घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। पिछले सप्ताह उखरुल जिले में उग्रवादियों के घात लगाकर किए गए हमले में असम राइफल्स के दो जवान शहीद हो गए थे। मणिपुर में राष्ट्रपति शासन के बाद सरकार के फिर से कमान संभालने पर यह माना जा रहा था कि राज्य में स्थायी तौर पर शांति बहाली की दिशा में प्रयास तेज होंगे। मगर इन अपेक्षाओं के विपरीत हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। जातीय संघर्ष से उपजी विरोध की चिंगारी आए दिन हिंसक घटनाओं के रूप में सामने आ रही है। स्थिति यह है कि राज्य में तैनात सुरक्षाबलों को भी अब अपनी सुरक्षा की चिंता सताने लगी है। इसी कारण सुरक्षा कर्मियों की तैनाती और आवाजाही के लिए रणनीतिक तौर पर बदलाव किए जा रहे हैं। सेनापति जिले में हाल ही में असम राइफल्स के एक शिविर पर भीड़ के हमले के बाद केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने अपनी सुरक्षा के लिए करीब सौ बुलेटप्रूफ वाहनों को अपने काफिले में शामिल किया है। ऐसे में सवाल है कि जब सुरक्षाबलों की सुरक्षा को ही खतरा पैदा हो गया है, तो आम लोग खुद को कैसे सुरक्षित महसूस कर पाएंगे? आखिर क्या वजह है कि राज्य में सामाजिक सौहार्द और अमन-चैन कायम करने के प्रयासों में सरकार की इच्छाशक्ति एवं गंभीरता नजर नहीं आ रही है? गौरतलब है कि मणिपुर में हाल के दिनों में हिंसक घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। पिछले सप्ताह उखरुल जिले में उग्रवादियों के घात लगाकर किए गए हमले में असम राइफल्स के दो जवान शहीद हो गए थे। इसके कुछ दिन बाद सेनापति जिले में स्थानीय लोगों की भीड़ ने सैन्य बल के शिविर पर हमला कर वहां आगजनी और तोड़फोड़ की। ये घटनाएं बताती हैं कि राज्य में आम लोगों के असंतोष के बीच उग्रवादी संगठनों की सक्रियता भी बढ़ती जा रही है। हालांकि, कुछ विरोधी संगठनों ने सरकार के साथ समझौता कर शांति बनाए रखने की प्रतिबद्धता जताई है, लेकिन इनसे इतर नए समूह खड़े हो गए हैं, जो अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए हिंसक वारदात को अंजाम देने का कोई मौका नहीं चूकते। राज्य में जटिल होते हालात के पीछे एक कारण यह भी है कि स्थानीय लोगों का व्यवस्था पर भरोसा कमजोर हो रहा है। ऐसे में सबसे पहले सरकार की प्राथमिकता यही होनी चाहिए कि आम लोगों में विश्वास बहाली के लिए गंभीरता से प्रभावी कदम उठाए जाएं।।

आज का कार्टून

एक बुलडोजरबद्ध प्रार्थना

हम आजम खान के समर्थक नहीं हैं। न ही आजम खान की तरह सरकारी लाभ लेकर विश्वविद्यालय बनाने के आरोपों का समर्थन करते हैं। उस विश्वविद्यालय के बनने के तौर-तरीकों, अच्छाई-बुराई, कानूनी-गैरकानूनी तय करना अदालत का काम है, वह तय करे। हम इसके किसी राजनीतिक पहलू पर अपनी राय नहीं रख रहे हैं। हम इसे सिर्फ आज के शिक्षा के हालात से जोड़ कर देख रहे हैं। बुनियादी शिक्षा की हालत इस बात से भी तय होती है कि आपके ज्ञान व अनुसंधान के शीर्ष की क्या हालत है।

मुकेश भारद्वाज

जब हम चांद और मंगल पर बस्ती बसाने की बात कर रहे हैं तो हमारे देश के काबिल वैज्ञानिक इसरो में नहीं रहना चाह रहे हैं। परीक्षाओं को संचालित करने में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी की इतनी नाकामियां साबित होने के बाद भी शिक्षा महकमा निश्चिंत बैठा रहा। वह समय बीता जब सत्ता का शुभंकर इसरो जैसा संस्थान होता था, अब सबकी पसंद बुलडोजर है। बेबाक बोल की बुलडोजरबद्ध प्रार्थना, जौहर यूनिवर्सिटी गिरनी ही चाहिए।

जी हां, जौहर यूनिवर्सिटी को गिराया जाना चाहिए। आज सभी जगह आवाज बुलंद हो रही है कि इसे न गिराया जाए, यहां तक कि 'सरकारी एंकर' भी कह रहे हैं कि इसे न गिराया जाए। मगर हम दृढ़ता के साथ कह रहे हैं कि इसे गिराया जाए। न सिर्फ इसे गिराया जाए, बल्कि इसके खंडहर को ऐतिहासिक धरोहर की तरह महफूज रखा जाए। धरोहर की स्मारिका में लिखा जाए कि ऐसा भी शासन आया था, जिसमें शिक्षा व्यवस्था की यह हालत थी। जौहर यूनिवर्सिटी तो प्रतीक है, अन्य विश्वविद्यालयों पर न जाने किस-किस तरह के बुलडोजर चल रहे हैं। आज जो हमारी शिक्षा व्यवस्था की हालत है, जिस तरह से शिक्षा-बजट कम हो रहा है, जिस तरह से विश्वविद्यालयों को निशाना बनाया जा रहा है, उन सबका संयुक्त प्रतीक जौहर का खंडहर होगा।

देश के सबसे प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय को पिछले दो दशकों से महज इसलिए निशाना बनाया जा रहा है, क्योंकि उसकी बुनियाद की पत्थर के साथ उसके नाम में उस राजनेता का नाम जुड़ा है जिन्हें कोसने के लिए शायद अच्छे-खासे बजट का इंतजाम किया गया होगा। हमारे पड़ोस के कई देशों के कई बड़े राजनेता तक इसका गुणगान करते नहीं थकते, इसलिए भी इसके प्रति गुस्सा जायज है। देश के सबसे बड़े कृत्रिम मेधा के मेले में गलगोटिया जैसे विश्वविद्यालय ने देश की शैक्षणिक साख का गला घोट कर आपकी शिक्षा नीति पर सवाल उठा दिए थे तो यह और भी जरूरी लगने लगा होगा कि पुरानी सत्ता के बनाए विश्वविद्यालयों पर बुलडोजर चलाना शिक्षा के क्षेत्र में सबसे ज्यादा जरूरी है।

जौहर विश्वविद्यालय को इसलिए भी गिराया जाना जरूरी है, ताकि सनद रहे, इस देश में कोई सामाजिक, पर्यावरण कार्यकर्ता जिसका नाम सोनम वांगचुक था वह बीस दिनों से ज्यादा जंतर मंतर पर भूखा-प्यासा बैठा रहा। अदालत तक ने कह दिया कि जिंदगी अनमोल है, लेकिन सरकार के कान पर जूं नहीं रेंगी। शिक्षा मंत्री बने रहे। शिक्षा मंत्री की नाकामी पर किसी को एक फीसद भी शक नहीं है। चाहे वह पेपर लीक की कड़ी हो, चाहे शिक्षा का गिरता स्तर हो, चाहे फेल करने वाले बढ़ रहे हों, चाहे हजारों स्कूल बंद हो रहे हों। शिक्षा मंत्री को सिर्फ इसलिए बने रहना चाहिए, क्योंकि एक वर्ग चाहता है कि उन्हें हटाया जाना चाहिए।

एक बात और साफ कर देना चाहते हैं। हम भी कहते हैं, शिक्षा मंत्री को हटाया जाना चाहिए। हम धर्मेंद्र प्रधान को न तो निजी तौर पर जानते हैं, न उनसे निजी मुलाकात है, न निजी सहानुभूति और न निजी गुस्सा। हम उन्हें निकालने की मांग का समर्थन कर रहे हैं,

क्योंकि देश प्रतीकों पर चलता है। उनको हटाया जाना सरकार के उस संकल्प का जाहिर बनेगा कि हां, हम बदलाव चाहते हैं। हम मौजूदा स्थिति के मुताबिक देश को नहीं चलाना चाहते हैं। इसलिए हम चाहते हैं कि धर्मेंद्र प्रधान जाएं। इसलिए जाएं ताकि देश की युवा पीढ़ी, देश का शिक्षित वर्ग, देश के शिक्षक और विद्यार्थी इस बात को लेकर आश्वस्त हो सकें कि एक सरकार है, जिसे लगता है कि कोई भी नेता अपनी जिम्मेदारी से कैसे बच सकता है, अगर उसके अधिकार क्षेत्र में नाकामी ही नाकामी हो।

स्वतंत्रता सेनानी और भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू आज इस दुनिया में नहीं हैं। लेकिन चीन के साथ जंग में देश की पराजय में उनकी जिम्मेदारी की हिस्सेदारी बढ़ती जा रही है। आज उनका नाम लेकर उन्हें कोसा जा रहा है, संसद के लिए चुने गए लोग उनके खिलाफ असंसदीय बातें बोल रहे हैं। इंदिरा गांधी अब नहीं हैं, लेकिन 1984 के दंगों के लिए आज तक उन्हें कठघरे में रखा गया है। आज उनके खिलाफ जिस तरह की बातें की जा रही हैं, कल को इतिहास की किताबें भी हमारे इस वर्तमान को लेकर शर्मिंदा होंगी।

राजीव गांधी पर आज तक भ्रष्टाचार का कोई आरोप साबित नहीं हुआ। फिर भी उन्हें देश में 'मिस्टर टेन परसेंट' कह कर पुकारा जाता है। हम उनकी बात तो कर ही नहीं रहे जो थोड़े समय के लिए आए, लेकिन वे भी अपनी जिम्मेदारियों से नहीं बच सके हैं। अब आप एक जिम्मेदारीमुक्त युग लाना चाहते हैं तो स्वागत है।

जौहर विश्वविद्यालय का गिरना काव्यात्मक न्याय का प्रतीक होगा। बहुत ज्यादा पैसे खर्च कर बनाए गए विश्वविद्यालय की कक्षाएं, प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय भी अवैध हो सकते हैं, अगर उसके साथ कोई खास नाम जुड़ा हो। बुलडोजर के जरिए सबसे बड़ा संदेश जाएगा कि एक चीज जो सत्ता प्रतिष्ठान के मुताबिक गलत थी, उसे नेस्तनाबूद कर दिया गया। इसलिए जौहर विश्वविद्यालय का गिरना हम जरूरी मान रहे हैं। हम चाहते हैं कि जो बुलडोजर उधर की ओर चले हैं, वे किसी दबाव में नहीं आएं। जौहर यूनिवर्सिटी की ईंट से ईंट गिरा कर ही बाहर निकलें।

2022 के चुनाव के बाद संदेश मिल चुका है कि बुलडोजर आपका सबसे बड़ा संदेशवाहक है। बुलडोजर की सार्थकता यह है कि विपक्ष वाली सरकार के राज्य में कमल से ज्यादा बुलडोजर का निशान याद दिलाया जाता है कि हमारी सरकार बनाओ और हर समस्या को ध्वस्त करने के लिए बुलडोजर बुलाओ। वह पुराने समय की बातें हैं जब शिक्षा संस्थानों में प्रतीक के रूप में वाग्देवी, कलम, दवात होते थे। जौहर यूनिवर्सिटी के धराशायी होने के बाद शिक्षा संस्थानों के प्रवेश द्वार पर बुलडोजर स्थापित होना चाहिए।

अब हमारी बुलडोजरबद्ध प्रार्थना है कि सरकार जल्द से जल्द जौहर विश्वविद्यालय को गिराए और धर्मेंद्र प्रधान को न हटाए। सोनम वांगचुक के साथ जो होना होगा हो जाए, उनके साथ भूख हड़ताल कर रहे युवाओं का शरीर कंकाल में बदले तो बदले। देश की अदालतें जो कहती हैं, कहती रहें, देश का प्रबुद्ध वर्ग जो कहता है, कहता रहे, आपको उस पर न तो कान देना है, न ध्यान देना है। बस धर्मेंद्र प्रधान अपने पद पर बने रहने चाहिए। रक्षा मंत्री का वाक्य ही आपके कर्तव्य-पथ का ध्येय होना चाहिए कि इस सरकार में इस्तीफे नहीं होते हैं।

सरकार को अपने फैसले पर बने रहने का पूरा हक है। सरकार, धर्मेंद्र प्रधान को अपना मान-सम्मान बनाए हुए है तो उसकी ठोस वजह होगी। धर्मेंद्र प्रधान ने वैसे नतीजे दिए होंगे, जो सरकार को चाहिए, भले ही वे शिक्षा व किसी अन्य क्षेत्र में हों। आज से पहले इतना भाईचारा भी तो किसी सरकार में नहीं दिखा था। पेट्रोल व एथेनॉल पर सड़क-परिवहन मंत्री ने जो मसीहाई रूप दिखाया है, वह सारी सत्ताओं के लिए संदेश है कि काम के नतीजे वहां नहीं खोजिए, जहां मंत्री जी की कुर्सी है।

अभी तो हमारी सबसे बड़ी शिकायत जंतर मंतर पर बैठे लोगों से है। आपने कैसे मान लिया कि धर्मेंद्र प्रधान नाकाबिल मंत्री हैं? आपने कैसे मान लिया कि उन्होंने अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाई? आपने कैसे मान लिया कि उनकी जिम्मेदारी शिक्षा-व्यवस्था में सुधार है? आप लोग जंतर मंतर का दुरुपयोग ऐसे व्यक्ति को परेशान करने में कर रहे हैं, जो सरकार से मिली हर जिम्मेदारी को अच्छी तरह से निभा रहे हैं। क्या आपको जंतर मंतर से उत्तर प्रदेश नहीं दिख रहा है? क्या आपको सत्ता का निशान बुलडोजर नहीं दिख रहा है? अब कृपया जंतर मंतर और वेधशाला का इतिहास मत बताइएगा, क्योंकि इतिहास बदला जा रहा है।

क्या भारत का विकास हाशिये के आखिरी आदमी तक पहुंच पाया है

मानव सभ्यता के इतिहास पर अगर हम निष्पक्ष दृष्टि डालें, तो यह स्पष्ट होता है कि प्राकृतिक आपदाओं, महामारियों या हिंसक वन्यजीवों ने मानवता को उतना नुकसान नहीं पहुंचाया है, जितना स्वयं मनुष्य ने मनुष्य को पहुंचाया है। पशु जगत में हिंसा का आधार प्रायः जैविक है - भूख या आत्मरक्षा। मगर मनुष्य ही एकमात्र ऐसी प्रजाति है, जो बिना किसी स्पष्ट उकसावे के, विचारधारा, धर्म, जाति या वर्चस्व के नाम पर संगठित हिंसा को अंजाम देती है। घृणा और असहिष्णुता का यह विषाक्त वातावरण एक ऐसी पीढ़ी को जन्म देता है, जो विरासत में ही द्वेष की घुट्टी लेकर पैदा होती है।

संतोष पटेल

जब हम घृणा, गरीबी और शोषण के अंतर्संबंधों पर बात करते हैं, तो प्रगतिशील कवि और गीतकार साहिर लुधियानवी की कालजयी पंक्तियां मानस पटल पर उभर आती हैं। उन्होंने अपनी नज्म 'चकलें' में उस कड़वे सच को उकेरा था, जो आज भी हमारे आधुनिक समाज के चेहरे पर एक तमाचा है–'संसार की हर एक बेशर्मी, गुरबत की गोद में पलती है/ चकले ही में आकर रुकती हैं, फाकों (भूख) में जो राहें निकलती हैं।'

'घृणा' एक ऐसा शक्तिशाली और विनाशकारी भाव है, जिसने मानव इतिहास के पृष्ठों को रक्त और राख से रंगा है। शेक्सपियर ने प्रेम और घृणा को व्यक्तित्व के दो ध्रुव बताया है। वास्तविकता यह है कि घृणा में जलने वाला व्यक्ति अपनी समस्त ऊर्जा उस व्यक्ति या व्यवस्था के प्रति समर्पित कर देता है, जिसे वह नापसंद करता है। यह एक ऐसी आत्मघाती प्रक्रिया है, जो पाने वाले का कम, लेकिन उसे पोषित करने वाले का सर्वस्व नष्ट कर देती है। तथागत बुद्ध ने 'धम्मपद' में इस शाश्वत सत्य को अत्यंत स्पष्टता से रेखांकित किया है–इस संसार में द्वेष कभी भी द्वेष से शांत नहीं होता, वह केवल अद्वेष, प्रेम और करुणा से ही शांत होता है। दरअसल, अपराध और सामाजिक पतन का मूल कारण आमतौर पर व्यक्ति का जन्मजात चरित्र नहीं, बल्कि व्यवस्था द्वारा थोपी गई

दरिद्रता, बेबसी और निरंतर अभाव होता है। जब एक समाज अपनी ही संतानों को भूख और हताशा के आगे घुटने टेकने पर मजबूर कर देता है, तो उस समाज में मानवीय मूल्यों का क्षरण होना स्वाभाविक है। साहिर का मार्मिक सवाल 'जिन्हें नाज है हिंद पर, वो कहां हैं' आज भी उन सत्ताधीशों, नीति-निर्माताओं और संभ्रांत वर्ग को झकझोरने के लिए पर्याप्त है, जो विकास की चकाचौंध और बड़े-बड़े आंकड़ों में तो चमकते हैं, लेकिन हाशिये पर खड़े उस अंतिम व्यक्ति की पीड़ा को देखने से कतराते हैं, जिसके श्रम से यह राष्ट्र खड़ा है।

अक्सर हम सामाजिक अपराधों और दंगों को केवल व्यक्तिगत नैतिक पतन या सांप्रदायिक कट्टरता के रूप में देखते हैं, जबकि इसका एक गहरा आर्थिक आधार भी है। शहरों में जिस प्रकार का विभाजन हुआ है, वह बढ़ती असमानता का जीवंत प्रमाण है। जब एक तरफ समृद्धि के उत्तुंग शिखर हों और दूसरी तरफ सुविधाओं से वंचित मलिन बस्तियां, तो वहां उपजे आक्रोश की पृष्ठभूमि को समझा जाना चाहिए। यह आक्रोश केवल गरीबी का परिणाम नहीं है, बल्कि संसाधनों के अनुचित वितरण, अवसर की असमानता और निरंतर शोषण का संचित परिणाम है।

गरीब वर्ग स्वभाव से कहीं अधिक सहिष्णु और कानून का पालन करने वाला होता है, लेकिन जब उसे यह अहसास होता है कि व्यवस्था, भ्रष्टाचार, अकर्मण्यता और पक्षपात के कारण उसके हकों को कुचला जा रहा है, तो उसके भीतर 'सापेक्षिक वंचना' का भाव जागृत होता है।

आज के भारत में एक साथ कई शताब्दियां जी रही हैं–कहीं बैलगाड़ी है, तो कहीं लेम्बोर्गिनी। उपभोक्तावादी संस्कृति ने अमीर और गरीब के बीच की गहरी खाई को और अधिक चौड़ा कर दिया है। अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है, लेकिन यह विकास वंचित वर्गों के लिए समावेशी नहीं बन पाया है। जो लोग विकास की इस दौड़ में पीछे छूट गए हैं, उनका धैर्य अब जवाब दे रहा है।

यह नीति-निर्माताओं के लिए खतरे की घंटी है। यदि हम शहरी विकास के नाम पर केवल उन लोगों की सुविधा सुनिश्चित करेंगे, जो आर्थिक रूप से संपन्न हैं, तो हम उन लाखों-करोड़ों लोगों की उपेक्षा कर रहे हैं, जिनके श्रम और पसीने पर यह पूरी शहरी सभ्यता और उसके आराम का ढांचा टिका है।

आजादी के अमृतकाल में भी हम केवल 'मुफ्त की योजनाओं' और लोक-लुभावन वादों के सहारे समाज को सांत्वना दे रहे हैं। सच्चाई यह है कि ये कृत्रिम और तात्कालिक उपचार अब नाकाफी हैं। राष्ट्र की वास्तविक वृद्धि तब होगी, जब युवाओं को उनके परिश्रम का उचित प्रतिफल मिलेगा, तंत्र में संवेदनशीलता होगी और विकास की मुख्यधारा में हर हाथ को काम मिलेगा। यह न केवल सामाजिक न्याय का तकाजा है, बल्कि बढ़ते हुए मध्य वर्ग के लिए भी आत्म-संरक्षण का प्रश्न है। अगर मध्य वर्ग हाशिये के समाज को साथ लेकर नहीं चलता, तो सामाजिक विखंडन और अराजकता का खतरा बना रहेगा।

आज हमें ऐसे दूरदर्शी विचारकों और नेतृत्व की आवश्यकता है, जो एक ऐसे भारत की कल्पना कर सकें जो केवल सांख्यिकी में नहीं, बल्कि मानवीय गरिमा में उन्नत हो। घृणा का उन्मूलन केवल उपदेशों या कठोर कानूनों से नहीं, बल्कि समानता और न्यायपूर्ण वितरण से होगा।

जब एक मजदूर का बेटा यह महसूस करेगा कि राष्ट्र उसके सपने का भी उतना ही सम्मान करता है, जितना कि किसी बड़े कॉरपोरेट जगत के नायक का, तभी 'भारत' का विचार पूर्ण होगा। समय आ गया है कि हम 'दलों' और 'दस्तावेजों' की राजनीति से ऊपर उठकर एक ऐसे समावेशी भारत का निर्माण करें, जहां किसी भी नागरिक को घृणा, भूख या अभाव की गोद में न पलना पड़े। सच्चा राष्ट्रवाद वही है, जो अपने सबसे कमजोर व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान ला सके

फाइनल में यामागुची को हराया

पीवी सिंधु ने जापान ओपन जीतकर रचा इतिहास

जीतने वाली पहली भारतीय बनी

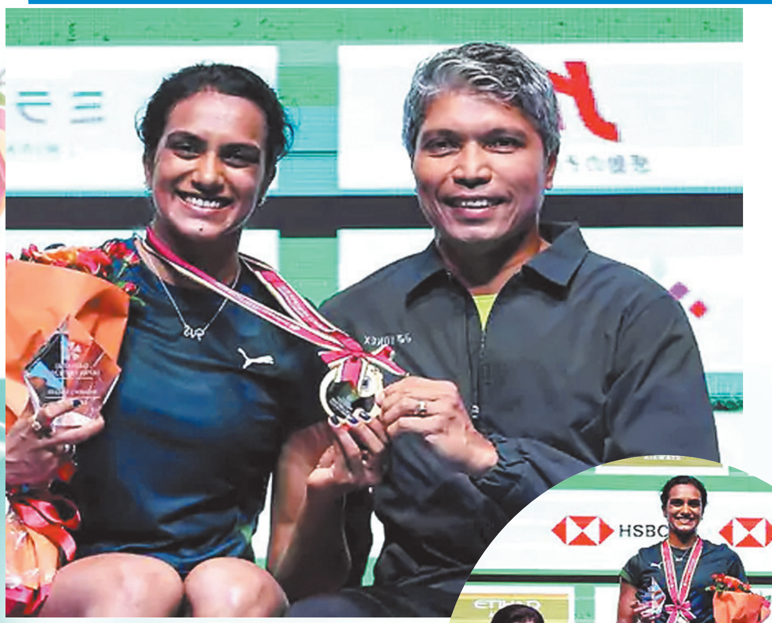

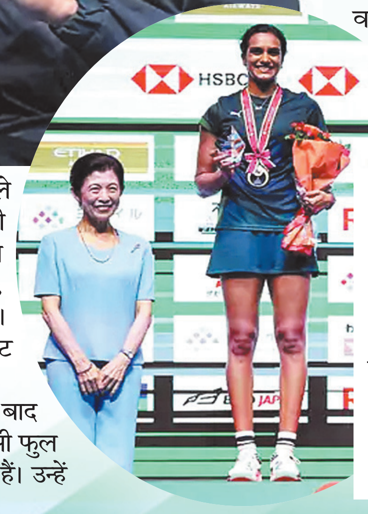

टोक्यो (एजेंसी)। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने जापान ओपन सुपर-750 बैडमिंटन टूर्नामेंट जीत लिया है। वे यह टूर्नामेंट जीतने वाली पहली भारतीय बनी हैं।31 साल की सिंधु ने रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में जापान की अकाने यामागुची को 21-17, 21-17 से हराया। यह मैच 50 मिनट तक चला।

सिंधु 4 साल बाद यामागुची को किसी फुल मैच में हरा सकी हैं। उन्हें पिछली जीत थाईलैंड ओपन में 2022 में मिली थी। पिछले साल मलेशिया ओपन में यामागुची रिटायर हर्ट हो गई थीं।

एस. जयशंकर ने भी दी शुभकामनाएं

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी सिंधु को बधाई देते हुए लिखा, पीवी सिंधु को 2026 जापान ओपन महिला एकल खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बनने पर हार्दिक बधाई। हमें आप पर गर्व है।

2019 के बाद पहला बड़ा खिताब जीतीं

सिंधु ने 2 साल बाद कोई खिताब जीता है। उन्होंने 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल जीता था। वे 2022 में सिंगापुर ओपन सुपर 500 में चैंपियन बनी थीं। यह सिंधु के करियर का पहला सुपर-750 खिताब है। 2019 वर्ल्ड चैंपियनशिप जीतने के बाद यह उनका सबसे बड़ा इंटरनेशनल खिताब है।

सेमीफाइनल में चेन यू फेई चोटिल होकर बाहर हुईं- सेमीफाइनल में चीन की चेन यू फेई हैम्स्ट्रिंग चोट के कारण रिटायर्ड हर्ट हो गईं। उस समय सिंधु 21-19, 15-10 से आगे थीं। इससे पहले सिंधु ने जापान की पूर्व वर्ल्ड चैंपियन नोजोमी ओकुहारा चोट के कारण नहीं उतरीं, जिससे सिंधु को वॉकओवर मिला।इससे पहले दूसरे दौर में सिंधु ने चीन की हान यू को 35 मिनट में 21-16, 21-14 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

पीवी सिंधु की ऐतिहासिक जीत पर पूरा देश गर्व महसूस कर रहा है: राजनाथ सिंह

भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने जापान ओपन 2026 का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने उन्हें बधाई देते हुए देश का गौरव बताया।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सिंधु की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, पीवी सिंधु को जापान ओपन 2026 महिला एकल खिताब जीतने पर हार्दिक बधाई।

कॉमनवेल्थ गेम्स में चानू और लवलीना होंगी भारत की ध्वजवाहक

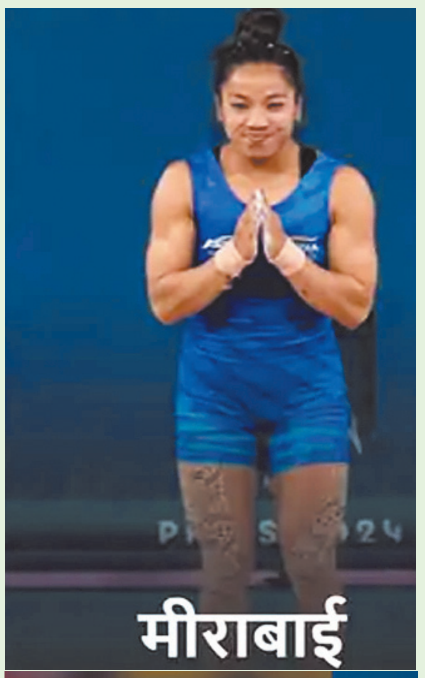

मीराबाई

लवलीना

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक मेडलिस्ट मीराबाई चानू और लवलीना बोरगोहेन ग्लासगो में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स के उद्घाटन समारोह में भारत की ध्वजवाहक होंगी। भारतीय ओलंपिक संघ ने शनिवार को इसकी घोषणा की। इस मल्टी-स्पोर्ट इवेंट का उद्घाटन समारोह 23 जुलाई को आयोजित किया जाएगा। आईओए अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा कि दोनों खिलाड़ियों का यह सम्मान मिलना गर्व की बात है। फिलहाल दोनों खिलाड़ी यूनाइटेड किंगडम में ट्रेनिंग कर रही हैं। चानू ने टोक्यो ओलिंपिक में सिल्वर जीता था मीराबाई चानू 8 अगस्त को 32 साल की हो जाएंगी। वे करीब एक दशक से भारत की प्रमुख वेटलिफ्टर हैं। उन्होंने 2021 टोक्यो ओलंपिक में सिल्वर और 2022 बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीता था। हालांकि वे 2024 पेरिस ओलंपिक में पदक नहीं जीत सकीं, लेकिन ग्लासगो में वे भारत की बड़ी उम्मीद हैं। लवलीना ने टोक्यो में ब्रॉन्ज जीता था

2022 में सिंधु और मनप्रीत ध्वजवाहक थे

बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 के उद्घाटन समारोह में भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु और पुरुष हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह भारतीय दल के ध्वजवाहक थे। वहीं समापन समारोह में विश्व चैंपियन मुक्केबाज निखत जरीन और टेबल टेनिस के दिग्गज शरत कमल ने तिरंगा थामकर भारतीय दल की अगुआई की।

इंग्लैंड ने फुटबॉल वर्ल्ड कप में ब्रॉन्ज जीता

साका की हैट्रिक, फ्रांस हारा, एम्बाप्पे गोल्डन बूट की रेस में मेसी से आगे, टूर्नामेंट में 10 गोल

मियामी गार्डन्स (एजेंसी)। इंग्लैंड ने फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 के तीसरे स्थान के मैच में फ्रांस को 6-4 से हराकर ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। इंग्लैंड ने वर्ल्ड कप इतिहास में अपना दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। टीम 1966 में चैंपियन बनी थी।

इंग्लैंड की जीत के हीरो बुकायो साका रहे, जिन्होंने हैट्रिक लगाई। वहीं, फ्रांस के कप्तान किलियन एम्बाप्पे ने दो गोल करके गोल्डन बूट की रेस में मेसी को पीछे छोड़ दिया। उनके 10 गोल हो गए हैं, जबकि मेसी के 8 गोल हैं।

इतना ही नहीं, एमबाप्पे वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बने। उनके नाम अब 22 विश्व कप गोल हो गए हैं, जबकि लियोनेल मेसी के 21 गोल हैं। हालांकि, आज देर रात होने वाले वर्ल्ड कप फाइनल में मेसी के पास वापसी करने का मौका है।

वर्ल्ड कप के तीसरे स्थान के मैच में पहली बार कुल 10 गोल देखने को मिले। यह वर्ल्ड कप 1982 के बाद सबसे ज्यादा गोल वाला मुकाबला रहा। डेक्लान राइस ने इंग्लैंड के लिए फुटबॉल वर्ल्ड कप इतिहास का दूसरा सबसे तेज (2 मिनट 14 सेकेंड) गोल किया।

रोहित-विराट टीम में परमानेंट नहीं, प्रदर्शन के दम पर ही मिलनी चाहिए जगह

कपिल देव बोले-

नई दिल्ली (एजेंसी)। 1983 वर्ल्ड कप विजेता कप्तान कपिल देव ने कहा कि टीम इंडिया में किसी भी खिलाड़ी की जगह पक्की नहीं होती। उन्होंने कहा कि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे सीनियर खिलाड़ियों को भी जब तक प्रदर्शन कर रहे हैं, तब तक खेलना चाहिए। साथ ही टीम मैनेजमेंट को भविष्य के लिए नए खिलाड़ियों को भी तैयार रखना चाहिए।

कपिल देव ने कहा कि इंटरनेशनल क्रिकेट में टीम में बने रहने का एकमात्र पैमाना प्रदर्शन है। उन्होंने रोहित और विराट के अनुभव की तारीफ करते हुए कहा कि जब तक वे टीम के लिए रन बना रहे हैं और मैच जिता रहे हैं, तब तक उन्हें खेलने का मौका मिलना चाहिए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि अगर कोई सीनियर खिलाड़ी फॉर्म से बाहर होता है, तो टीम के पास मजबूत बैकअप तैयार होना चाहिए।रोहित शर्मा और विराट कोहली 2024 टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद टी-20 इंटरनेशनल से संन्यास ले चुके हैं। फिलहाल दोनों वनडे और टेस्ट क्रिकेट में भारत के लिए खेल रहे हैं।

संन्यास की अफवाहों के बीच बेफिक्र दिखे रोहित

● लॉर्ड्स की बॉलकनी में गंभीर के साथ हंसी-मजाक करते आए नजर

गौतम गंभीर के साथ हंसी-मजाक का वीडियो वायरल

लॉर्ड्स में अभ्यास सत्र से पहले भारतीय टीम के खिलाड़ी और सपोर्ट स्टाफ बालकनी में मौजूद थे। इसी दौरान मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कुछ मजाकिया इशारे किए, जिन्हें देखकर रोहित शर्मा अपनी हंसी नहीं रोक पाए। उनके साथ मौजूद सपोर्ट स्टाफ के सदस्य भी ठहाके लगाते नजर आए। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और फैंस इसे काफी पसंद कर रहे हैं।

संन्यास की अफवाहों ने पकड़ा था जोर

दूसरे वनडे के दौरान सोशल मीडिया पर ऐसी खबरें सामने आई थीं कि लॉर्ड्स में खेला जाने वाला तीसरा वनडे रोहित शर्मा के करियर का आखिरी वनडे हो सकता है। हालांकि, इन अटकलों पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने विराम लगा दिया। सैकिया ने स्पष्ट किया कि रोहित शर्मा के संन्यास को लेकर चल रही खबरों में कोई सच्चाई नहीं है। उन्होंने कहा कि जब तक चयनकर्ताओं की योजनाओं में रोहित शामिल हैं, तब तक वह भारतीय टीम के लिए

लंदन (एजेंसी)। संन्यास की अटकलों के बीच रोहित शर्मा के लॉर्ड्स से दो वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। एक वीडियो में वह गौतम गंभीर के साथ हंसी-मजाक करते दिखे, जबकि दूसरे में उन्होंने कहा, 'बाहर क्या चल रहा है, उससे हमको क्या', जिससे उन्होंने बाहरी चर्चाओं को तवज्जो न देने का संदेश दिया। भारत और इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स में खेले जाने वाले तीसरे और निर्णायक वनडे से पहले टीम इंडिया के अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा एक बार फिर चर्चा का केंद्र बन गए हैं। एक ओर उनके वनडे भविष्य को लेकर संन्यास की अटकलें तेज हैं, तो दूसरी ओर सोशल मीडिया पर उनके दो वीडियो तेजी से वायरल हो रहे हैं। पहले वीडियो में रोहित शर्मा टीम इंडिया के मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथ हंसी-मजाक करते नजर आ रहे हैं, जबकि दूसरे वीडियो में उन्होंने अपने अंदाज में साफ कर दिया कि बाहरी चर्चाओं से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता।

चयनकर्ताओं के बीच हुई थी चर्चा-रिपोर्ट्स के मुताबिक, रोहित शर्मा के भविष्य को लेकर चयनकर्ताओं के बीच चर्चा जरूर हुई थी और टीम इंडिया के मुख्य कोच गौतम गंभीर को भी इस पूरी प्रक्रिया की जानकारी थी।

भारत और इंग्लैंड तीसरे वनडे में काली पट्टी बांधकर उतरे खिलाड़ी

महान क्रिकेटर सोबर्स को दी श्रद्धांजलि

लंदन (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने रविवार को लॉर्ड्स में वेस्टइंडीज के महान क्रिकेटर सर गारफील्ड सोबर्स की याद में काली पट्टी बांधी। 89 साल की उम्र में उनका निधन हो गया था। वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान और अब तक के सबसे महान क्रिकेटरों में से एक सोबर्स ने शुक्रवार को आखिरी सांस ली। वे अपने 90वें जन्मदिन से 11 दिन दूर थे। भारतीय टीम मैनेजमेंट ने एक पोस्ट में कहा, %टीम इंडिया वेस्टइंडीज के दिग्गज सर गारफील्ड सोबर्स को श्रद्धांजलि देने के लिए काली पट्टी बांध रही है, जिनका शुक्रवार को निधन हो गया। यहां भारत और इंग्लैंड के बीच सीरीज का फैसला करने वाले तीसरे वनडे मैच की शुरुआत से पहले क्रिकेट के मक्का (लॉर्ड्स) में एक मिनट का मौन रखा गया। भीड़ और खिलाड़ियों ने एक साथ खड़े होकर सोबर्स को श्रद्धांजलि दी। भारत के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने खेल की शुरुआत के लिए घंटी बजाई। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने टॉस जीतने के बाद कहा, आज हम पहले बैटिंग करेंगे। पिच अच्छी लग रही है। साकिब महमूद की जगह टंग टीम में वापस आ रहे हैं। रूट ने जिस तरह से बैटिंग की, उससे एक बढ़िया मिसाल कायम हुई है। उम्मीद है कि हम हालात को जल्दी समझ लेंगे। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने टॉस के बाद कहा,हम बॉलिंग करते।

30 की हुई स्मृति मंधाना

बल्ले से लिख रही हैं भारतीय महिला क्रिकेट की नई कहानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना आज 30 साल की हो गई हैं। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी, शानदार रिकॉर्ड और लगातार बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर उन्होंने भारतीय महिला क्रिकेट को नई पहचान दिलाने में अहम भूमिका निभाई है।

भारतीय महिला क्रिकेट की लोकप्रियता पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ी है। आज महिला टीम के मुकाबलों में स्टेडियम दर्शकों से भरने लगे हैं और टीवी व डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी बड़ी संख्या में लोग मैच देखते हैं। इस बदलाव के पीछे जिन खिलाड़ियों का सबसे बड़ा योगदान माना जाता है, उनमें भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान और स्टार सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना का नाम सबसे आगे आता है। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी, शानदार तकनीक और निरंतर प्रदर्शन के दम पर स्मृति मंधाना ने न केवल भारतीय टीम को कई यादगार जीत दिलाई हैं, बल्कि महिला क्रिकेट को नई पहचान भी दिलाई है। लोकप्रियता के मामले में वह देश के कई पुरुष क्रिकेटरों को भी कड़ी टक्कर देती हैं। मैदान पर अक्सर फैंस के बीच 'मंधाना... मंधाना...' के नारे उनकी बढ़ती लोकप्रियता की गवाही देते हैं।

बचपन से ही क्रिकेट से जुड़ाव

स्मृति मंधाना का जन्म 18 जुलाई 1996 को मुंबई में हुआ था। उनका परिवार पहले से ही क्रिकेट से जुड़ा रहा है। उनके पिता और भाई दोनों क्रिकेट खेल चुके हैं। इसी माहौल ने स्मृति को भी क्रिकेट की ओर प्रेरित किया। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि उनके पिता को बाएं हाथ के बल्लेबाज बेहद पसंद थे, इसलिए उन्होंने भी बाएं हाथ से बल्लेबाजी करना शुरू किया। महज नौ साल की उम्र में उन्हें महाराष्ट्र की अंडर-15 टीम में जगह मिल गई थी, जबकि 11 साल की उम्र में वह राज्य की अंडर-19 टीम का हिस्सा बन गईं।

तीनों फॉर्मेट में शानदार रिकॉर्ड

करीब 13 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर में स्मृति मंधाना ने तीनों फॉर्मेट में शानदार प्रदर्शन किया है।

टेस्टः 9 मैच, 788 रन, 2 शतक, 5 अर्धशतक

वनडेः 120 मैच, 5,411 रन, 14 शतक, 35 अर्धशतक

टी20 अंतरराष्ट्रीयः 171 मैच, 4,538 रन, 1 शतक, 35 अर्धशतक

उनकी आक्रामक बल्लेबाजी भारतीय टीम को कई महत्वपूर्ण मुकाबलों में जीत दिला चुकी है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लांट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा रातू पुलिस स्टेशन रांची में मुद्रित तथा विजय जनरल स्टोर, हिनू चौक रांची-834002 से प्रकाशित समस्त दिवानी विवाद न्यायोचित एवं दंडित परिवादों के लिए ेत्राधिकारी रांची न्यायालय में रहेगा। पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार। **प्रधान संपादक**-अन्नपूर्णा गुप्ता, कार्यालय नं.0651-2253830,मो.9471717919, 7895244551 ईमेलः alagpahchan@gmail.com, www.alagpahchan.com पोस्टल रजिस्ट्रेशन 2013 JHAHINO0575 RNI No.JHAHIN(2013) 66670